छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 191 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 23 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कांग्रेस ने राहुल-प्रियंका की गिरफ्तारी के विरोध में प्रधानमंत्री का पुतला फूंका

छात्रों पर लाठीचार्ज को बताया तानाशाही, शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छात्रों पर लाठीचार्ज और सांसद राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया। जिला कांग्रेस ने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक एवं शिक्षा नीति के विरोध में जंतर-मंतर जा रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस और उनके साथ शामिल संदिग्ध लोगों ने लाठियों और पत्थरों से हमला किया। इस घटना में 150 से अधिक छात्र घायल हुए। इन्होंने आरोप लगाया कि, दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है और यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर हुई है।

मंगलवार को कांग्रेस सांसदों ने संसद में स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा की मांग की थी, लेकिन दोनों सदन स्थगित कर दिए गए। इसके बाद राहुल गांधी घायल छात्रों से अस्पताल में मिले और प्रधानमंत्री आवास के सामने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। वहां से पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य नेताओं को बलपूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

बुधवार को कांग्रेस के प्रदर्शन के पूर्व स्वामी विवेकानन्द चौक में रैली के शक्ल में पहुंचे छात्र-छात्राओं ने भी नीट पेपर लीक एवं शिक्षा नीति के विरोध में जमकर नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार को कोसा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा की मांग की।

पुतला दहन में शफी अहमद, द्वितेंद्र मिश्रा, हेमंत सिन्हा, अरविंद सिंह गप्पू, भानुप्रताप सिंह, विनय शर्मा, इंद्रजीत सिंह धंजल, मो. इस्लाम, रामविनय सिंह, जगन्नाथ कुशवाहा, हेमंत तिवारी, राजीव सिंह, इरफान सिद्दीकी, संध्या रवानी, सीमा सोनी, आरडीएस चौहान, राशिद अहमद, गीता प्रजापति, रूही गजाला, मेधा खांडेकर, मालती सिंह, सतीश बारी, निकी खान, परवेज आलम गांधी, हमीदा बानो, ममता सिंह, अंजू सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाठीचार्ज अमानवीयता की पराकाष्ठा

कांग्रेस के सरगुजा जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि 'छात्र देश के भविष्य हैं। उन पर लाठीचार्ज अमानवीयता की पराकाष्ठा है। यह हमला संघ के गुंडों द्वारा किया गया। यह सीधे संघ, मोदी और शाह की निजी सेना है।' उन्होंने प्रधानमंत्री से माफी और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

'देश ब्रिटिश हुकूमत से नहीं डरा तो तानाशाह सरकार से क्या डरेगा'

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री एवं सरगुजा संभाग प्रभारी राजेश दुबे अधिवक्ता ने जंतर-मंतर नई दिल्ली में आंदोलनरत छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की घटिया शिक्षा नीति और बार-बार हो रहे पेपर लीक से परेशान होकर देशभर के छात्र-छात्राएं जंतर-मंतर पर शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहे थे। उन पर की गई बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज मोदी सरकार की तानाशाही और क्रूर मानसिकता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि 'नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी घायल छात्रों से मिलने के बाद प्रधानमंत्री से चर्चा के लिए शांतिपूर्ण धरने पर बैठे थे। राहुल गांधी को घसीटकर गिरफ्तार किया गया और प्रियंका गांधी को पुरुष पुलिस द्वारा खींचा-धकेला गया। यह लोकतंत्र, कानून व्यवस्था और संविधान को शर्मसार करने वाला कृत्य है। राजेश दुबे ने ब्रिटिश सरकार से तुलना करते हुए कहा कि जिस तरह ब्रिटिश सरकार भारतीयों की आवाज दबाने के लिए दमनात्मक रवैया अपनाती थी, उसी तरह मोदी सरकार देश की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। यह देश उस ब्रिटिश हुकूमत से नहीं डरा तो इस तानाशाह सरकार से क्या डरेगा।

दिल्ली आंदोलन में जाने निकले सरगुजा के युवक की उप्र में सड़क हादसे में मौत, एक गंभीर

जाने से पहले मृतक ने सोशल मीडिया पर लिखा 'हमारे सपने बिकाऊ नहीं हैं, हम न्याय लेकर रहेंगे'

छ.ग.फ्रंटलाइन सीतापुर। नीट पेपर लीक और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांग्चुक के समर्थन में दिल्ली जा रहे सरगुजा जिले के सीतापुर थाना क्षेत्र के एक युवक की उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल है। घटना की खबर से पूरे गांव में शोक का माहौल है। दिल्ली जाने से पहले दीपक ने इंटरनेट मीडिया पर लिखा था 'हमारे सपने बिकाऊ नहीं हैं, हम न्याय लेकर रहेंगे।' इस पोस्ट को लेकर कई प्रकार की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। जानकारी के मुताबिक, ग्राम आरा निवासी दीपक सिंह 18 वर्ष और उसका साथी सुरेश सिंह 18 जुलाई की रात पल्सर मोटरसायकल से दिल्ली के जंतर-मंतर में होने वाले आंदोलन में शामिल होने निकले थे। अलीगढ़ में इनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में दीपक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुरेश का अलीगढ़ अस्पताल में इलाज चल रहा है। अलीगढ़ पुलिस ने पहचान पत्र के आधार पर सीतापुर पुलिस थाने में घटना की सूचना दी है। सीतापुर पुलिस ने सरपंच अजीत तिर्की के जरिए परिजनों को खबर पहुंचाई। इस खबर ने सिर्फ स्वजन को नहीं बल्कि पूरे गांव के लोगों को शोक में डाल दिया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही परिजन अलीगढ़ के लिए रवाना हो गए हैं। आगे की कार्रवाई अलीगढ़ पुलिस कर रही है। इधर गांव के लोग मृतकों के शव के साथ संबंधियों के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

दस्तावेजों के आधार पर हुई पहचान

अलीगढ़ पुलिस ने युवकों के पास मिले पहचान पत्र और दस्तावेजों के आधार पर इनकी पहचान की। इसके बाद अलीगढ़ पुलिस ने सरगुजा जिले की सीतापुर पुलिस से संपर्क किया और घटना की जानकारी दी। सरपंच ने मृतक एवं घायल युवकों के स्वजन तक दर्दनाक हादसे की सूचना पहुंचाई। इसके बाद स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। होनहार युवा के असमय चले जाने से गांव के लोग व्यथित हैं।

एसईसीएल के अमेरा कोल माइंस में विजिलेंस टीम ने दी औचक दबिश

ऑनलाइन डिस्पैच सिस्टम में तकनीकी बाधा के कारण आना बता रहा प्रबंधन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र अंतर्गत आने वाले अमेरा कोल माइंस में विजिलेंस टीम के के औचक पहुंचने से हड़कंप की स्थिति बन गई। बिलासपुर मुख्यालय से पहुंची एसईसीएल की विजिलेंस टीम ने खदान परिसर में प्रवेश करने के बाद पहले तो यहां की स्थिति को परखा, फिर कोयला उत्पादन, भंडारण, कोयला परिवहन, डिस्पैच रिकॉर्ड जैसे कई भौतिक/ऑनलाइन दस्तावेजों का गहन परीक्षण करने में लगी है। बता दें कि, लखनपुर क्षेत्र में सड़कों की बदहाली के बीच कोयला परिवहन में रोड़ा और वसूली को लेकर भी लगातार ट्रकों के साथ कोल परिवहन के लिए आने वाले सवाल उठाते आ रहे हैं। कई बार समाचार के माध्यम से इसे सामने लाया गया, लेकिन अवांछनीय गतिविधियों पर विराम नहीं लगा है। लंबे समय से अमेरा खदान में कोयला चोरी, परिवहन रजिस्टर में गड़बड़ी और ट्रकों से अवैध वसूली की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसईसीएल मुख्यालय ने विजिलेंस जांच के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में औचक विजिलेंस टीम के खदान में पहुंचने से मची खलबली के बीच टीम ने परिवहन रजिस्टर, डिस्पैच रिकॉर्ड, भुगतान संबंधी फाइलों और ऑनलाइन एंट्री का मिलान किया। जांच पूरी होने पर गड़बड़ी सामने आने का दावा सूत्र कर रहे हैं। दूसरी ओर एसईसीएल प्रबंधन विजिलेंस की टीम के पहुंचने का कारण तकनीकी बता रहा है। कहना है कि अमेरा खदान में ऑनलाइन डिस्पैच सिस्टम में तकनीकी खराबी आने के कारण विजिलेंस टीम दस्तावेजों और प्रक्रियाओं की समीक्षा कर रही है। कोयला चोरी के आरोपों पर टिप्पणी नहीं की गई है। अमेरा खदान पिछले कुछ समय से विवादों में है। बहरहाल, विजिलेंस रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

लक्ष्य 4000 टन कोयला भेजने का, सप्लाई 300-400 टन, पार्किंग के नाम पर 600 रुपये वसूली

एसईसीएल की अमेरा कोल माइंस में अव्यवस्था और बदहाल सड़क के कारण कोयला उत्पादन और परिवहन बुरी तरह प्रभावित है। ट्रक चालकों ने पार्किंग के नाम पर प्रति वाहन 600 रुपये अवैध वसूली का भी आरोप लगाया है। खदान से प्रतिदिन 4000 टन कोयला भेजने का लक्ष्य है, लेकिन बारिश, कीचड़ और जल निकासी न होने से अभी सिर्फ 300-400 टन ही सप्लाई हो पा रहा है। डीओ होल्डर और ट्रांसपोर्टरों को रोजाना लाखों का नुकसान हो रहा है। खदान तक जाने वाली सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो गई है। कई ट्रक घंटों जाम में फंसे हैं। बरसात से पहले सड़क बनवाने का वादा किया गया था, लेकिन काम पूरा नहीं हुआ। इससे खदान के बाहर 4 किलोमीटा से ज्यादा लंबी ट्रकों की लाइन लग गई है। इधर अव्यवस्थाओं के बीच ट्रक चालकों से धमका-चमकाकर की जाने वाली वसूली से ट्रक चालक परेशान हैं। लम्बे समय से चल रही वसूली से ऐसा नहीं है कि जिला और पुलिस प्रशासन वाकिफ नहीं है, लेकिन बेधड़क अवैध उगाही का सिलसिला जारी है। सब एरिया मैनेजर ओमप्रकाश अटल का कहना है कि बारिश के कारण दिक्कत है, सड़क सुधार का काम चल रहा है। अवैध वसूली की शिकायतों पर वे जांच और कार्रवाई की बात कह रहे हैं। नाक के नीचे चल रही वसूली में लगे लोगों के विरूद्ध कब कार्रवाई होगी, इसका जवाब किसी के पास नहीं है।

प्रधानमंत्री के विरुद्ध सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी, एफआईआर दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के कार्यकर्ताओं ने सदर कोतवाली में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध सोशल मीडिया पर अभद्र, अशोभनीय एवं अपमान जनक भाषा का प्रयोग करने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। शिकायत भाजयुमो नेता एवं एल्डरमैन शरद सिन्हा के नेतृत्व में दर्ज कराई गई।

शरद सिन्हा ने बताया कि विकास सिन्हा उर्फ गोरखपुर (दर्रीपारा, अम्बिकापुर) द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया, इस संबंध में शिकायत देकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 296(बी) के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध और असहमति व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन गाली-गलौज, व्यक्तिगत अपमान और सार्वजनिक मर्यादा का उल्लंघन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में शालीनता और संवैधानिक मर्यादा का पालन सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मनोज सोनी, मयंक जायसवाल, वेदांत तिवारी, अंशुल श्रीवास्तव, मोली यादव, विकास शुक्ला, दीपक यादव, वीर सोनी, अंकित तिर्की, मनीष दुबे, प्रिंस चौबे, अंकित सिंह, रोहित कुशवाहा, विष्णुदेव पांडेय सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपसरपंच पति पर किशोरी से दुष्कर्म का आरोप, पीड़ित परिवार के साथ थाना पहुंचे ग्रामीण

खाना बनाने के लिये बुलाया और अश्लील वीडियो दिखाकर की घटना, एफआईआर दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना अंतर्गत उपसरपंच के पति पर नाबालिग से दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगा है। आरोपी ने खाने का बहाने नाबालिग को अपने घर बुलाया और देर रात दुष्कर्म किया। घटना के दौरान आरोपी ने नाबालिग को अश्लील वीडियो भी दिखाया और दुष्कर्म की बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के स्वजन की शिकायत पर अंबिकापुर थाना पुलिस ने आरोपित के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाना में दर्ज केस के अनुसार घटना 20 जुलाई की रात करीब 8 बजे से 10 बजे के बीच की है। शिकायतकर्ता के अनुसार उनकी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी दो साल से आरोपित तरूण जायसवाज के यहां खाना बनाने के लिये जाती थी, और घरेलू काम करने के साथ पढ़ाई भी करती थी। सोमवार 20 जुलाई को भी नाबालिग तरुण जायसवाल के यहां काम करने के लिये गई थी, जो कि गांव के उपसरपंच का पति है। काफी देर होने के बाद भी जब वह वापस नहीं आई तो पिता ने उसकी बड़ी बहन को बुलाने के लिये भेजा, लेकिन वह नहीं आई। बहन घर आकर बताई कि तरूण बाबा ने कहा कि अभी खाना बना रही है। रात 10 बजे तक बच्ची के नहीं आने पर उन्होंने पुनः उसे बहन को लेकर आने कहा, तो दोनों बहनें साथ में वापस आई। घर आने के बाद खाना बनाने के लिये गई बच्ची रोने लगी। बालिका का आरोप है कि, खाना बनाने के बाद जब वह जाने लगी तो आरोपी उसे खींचकर अपने कमरे में ले गया, और मोबाइल पर गंदा वीडियो दिखाकर उसी तरह का कृत्य करने के लिए कहा। इसके बाद आरोपित ने दो बार दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी ने नाबालिग को धमकाया कि यदि उसने किसी को बताया तो जान से मार देगा। स्वजन बच्ची से पूछताछ कर ही रहे थे, तभी तरूण जायसवाल बच्ची के घर के पास आया और खाना खिलाकर नहीं आई हो, कहते हुए पुनः घर चलने के लिए कहने लगा। आवाज सुनकर लड़की का पिता बाहर निकला और बेटी के साथ गलत काम करने की बात कहते हुए काम के लिये भेजने से इन्कार कर दिया। तरूण को जब पता चला कि कुकर्म का भेद खुल गया है, तो वह वापस अपने घर चले गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीण बुधवार को पीड़ित परिवार के साथ कोतवाली थाना पहुंचे और महिला पुलिस अधिकारी ने नाबालिग से बारीकी से पूछताछ के बाद आरोपित के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

धमकी के साथ रुपये का प्रलोभन

ग्रामीणों का आरोप है कि घटना सामने आने के बाद तरुण जायसवाल ने पहले तो बालिका के स्वजन पर काफी दबाव बनाया, एयरगन दिखाकर धमकाया ताकि केस दर्ज न हो। बात नहीं बनी तो आठ लाख रुपये देने का प्रलोभन दिया। मामला ग्रामीणों के समक्ष आया, और गांव के सरपंच सहित अन्य एकजुट होकर कोतवाली थाना पहुंच गए। मामले में पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

इन धाराओं के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने शिकायत पर बीएनएस 2023 की धारा 65(1), पॉक्सो एक्ट 2012 की धारा 4, धारा 6 का मामला दर्ज किया है। मामले की जांच महिला उपनिरीक्षक रम्भा साहू कर रही हैं। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया और बयान दर्ज किया है। आरोपी तरुण जायसवाल की गिरफ्तारी के लिए टीम दबिश दे रही है। पुलिस ने मामले को प्राथमिकता से लिया है।

ड्रंक एंड ड्राइव: कोर्ट ने 10 हजार के अर्थदंड से किया दंडित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शराब पीकर वाहन चलाने वाले एक बाइक चालक को न्यायालय ने 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यातायात शाखा की चेकिंग टीम ने वाहन क्रमांक सीजी 15 डीबी 9653 के चालक श्रीकांत राजवाड़े उर्फ पाडू राजवाड़े पिता तेजन राम 38 वर्ष, निवासी सरईटिकरा, थाना दरिमा को बाइक चलाते समय शराब के नशे में धुत पाया। ब्रेथ एनालाइजर से जांच में इसकी पुष्टि हुई। यातायात पुलिस ने चालक के विरुद्ध धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने आरोपी को 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। यातायात शाखा प्रभारी विजय कैवर्त एवं उनकी टीम ने पूरी कार्रवाई की।

लगातार बारिश से कोयलांचल समेत आसपास इलाके में जनजीवन अस्त व्यस्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल बिश्रामपुर और आसपास के इलाकों में पिछले 3-4 दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश के चलते जहां एक ओर एसईसीएल क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के सामने स्थित डीएमक्यू कॉलोनी में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत संजयनगर में एक गरीब बेवा महिला का जर्जर मकान कभी भी ढहने की स्थिति में पहुंच गया है। लगातार बिगड़ते हालात से लोगों में भय और प्रशासन की तैयारियों को लेकर नाराजगी भी देखने को मिल रही है। बारिश का सबसे ज्यादा असर डीएमक्यू कॉलोनी में देखने को मिला, जहां मंगलवार देर रात तेज बारिश के बाद पानी का स्तर तेजी से बढ़ गया और कई घरों में बारिश का पानी घुस गया। घरों में पानी भरने से लोगों का घरेलू सामान भीग गया तथा परिवारों को पूरी रात जागकर हालात संभालने पड़े। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। कॉलोनीवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में पहले से मौजूद प्राकृतिक जल निकासी वाले नाला के बंद हो जाने के कारण बारिश का पानी निकलने का रास्ता नहीं मिल पा रहा है। परिणामस्वरूप पूरा इलाका जलमग्न हो गया और हर साल की तरह इस बार भी लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाती तो आज बाढ़ जैसे हालात पैदा नहीं होते। लोगों ने एसईसीएल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए स्थायी समाधान की मांग की है। वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत संजयनगर में लगातार हो रही बारिश ने 60 वर्षीय गरीब बेवा महिला सुभासी गुप्ता पति स्व. मुरारी गुप्ता के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। लगातार पानी गिरने से उनका कच्चा एवं जर्जर मकान कई स्थानों पर फट गया है और दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं। लोगों का कहना है कि मकान किसी भी समय भरभराकर गिर सकता है, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को भटगांव विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष विक्की समद्दार अपने कार्यकर्ताओं के साथ मौके पर पहुंच मकान का निरीक्षण कर महिला और उसके परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उनके घरेलू सामान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा परिवार को अस्थायी रूप से दूसरे स्थान पर आश्रय दिलाने की पहल की। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पीड़ित महिला को तत्काल राहत सहायता, सुरक्षित आवास तथा आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

ग्रामीणों का आवागमन हुआ बाधित

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत राजापुर व कैलाशपुर के मध्य स्थित बेलसोता नाला का क्षतिग्रस्त पुल के नदी किनारे बनाए वैकल्पिक मार्ग भी बारिश की वजह से नदी में पानी बढ़ने से आवागमन बंद हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अस्थाई रूप से ग्राम पंचायत कंदरई बासेनपारा से आवागमन कर रहे हैं लेकिन उक्त मार्ग भी काफी बदहाल है।

कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में शाला प्रबंधन समिति का गठन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में अध्ययनरत छात्राओं के अभिभावकों की बैठक आयोजित कर शाला विकास समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों के निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। बैठक में उपस्थित अभिभावकों में से कृष्ण कुमार पगारिया पुरुष संवर्ग से एवं रिंकू सेन को महिला संवर्ग से अभिभावकों का प्रतिनिधित्व करते हुए निर्विरोध रूप से अभिभावक श्रीमती श्यामा पाण्डेय के नाम का प्रस्ताव एसएमसी अध्यक्ष पद हेतु रखा गया, जिसका अभिभावकों ने समर्थन किया। सर्वसम्मति से श्रीमती श्यामा पाण्डेय को अध्यक्ष तथा श्रीमती अंजू ताम्रकार को उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। साथ ही समिति के अन्य सदस्यों का भी सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। इसके अलावा समिति के सदस्य के रूप में बिलकिस बानो, प्रियंका कुशवाहा, निखत फातिमा, तमन्ना खातून, रिंकू सेन, हेमावंती प्रजापति, हीरामती राजवाड़े, कलावती, भुवनेश्वर, मुकेश, काशीराम पैकरा, रामसेवक ठाकुर, रामअवतार कुशवाहा, जय शर्मा, कुमसाय प्रजापति, महेंद्र दास, समय लाल, अनिता एवं फूलमती को सर्वसम्मति से समिति का सदस्य चुना गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्यामा पाण्डेय ने समिति के सभी सदस्यों को शाला प्रबंधन समिति के उद्देश्य, कार्य एवं कर्तव्यों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक सदस्य विद्यालय के शैक्षणिक एवं भौतिक विकास, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक पश्चात नव निर्वाचित एसएमसी अध्यक्ष के अनुमति से स्वास्थ्य विभाग से आए चिकित्सकों ने उपस्थित महिलाओं एवं अभिभावकों को स्वाइकल कैंसर से बचाव के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में संस्था के प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य ने आभार व्यक्त किया।

मानी में पीएम फसल योजना हेतु जागरूकता कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत मानी के सीएससी सेंटर में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में कृषि विस्तार अधिकारी नील कमल मिश्रा, फसल बीमा योजना के जिला समन्वयक अतुल कुमार यादव, ब्लॉक प्रतिनिधि राजा मंडल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में

उपस्थित सभी किसान भाई-बहनों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज तथा बीमा कराने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सभी किसानों से निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व अपनी फसलों का बीमा कराने का आग्रह किया गया, ताकि वे योजना के लाभ से वंचित न रहें।

सड़क और पुल की बदहाली पर युकां का 27 को एनएच 43 पर चक्का जाम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत संजयनगर से बनारस मार्ग तक जर्जर सड़क और ग्राम पंचायत राजापुर-कैलाशपुर मार्ग पर स्थित बेलसोता नाला के क्षतिग्रस्त पुल को लेकर क्षेत्रवासियों में खासी नाराजगी है। युकां भटगांव विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष विक्की समद्दार ने कलेक्टर सूरजपुर को आवेदन सौंपकर 27 जुलाई सोमवार को दोपहर 1 बजे ग्राम पंचायत संजयनगर के महावीरपुर चौक पर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर चक्का जाम करने की बात कही है। आवेदन में बताया गया है कि संजयनगर से बनारस मार्ग तक की सड़क लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और उखड़ी हुई सतह के कारण प्रतिदिन राहगीरों, स्कूली बच्चों, बाइक सवारों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन लोग सड़क पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है। इस समस्या को लेकर पहले भी कई बार प्रशासन को ज्ञापन सौंप सड़क की मरम्मत की मांग की गई, लेकिन आश्वासनों के अलावा कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आवेदन में

यह भी उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत कैलाशपुर-राजापुर के बीच स्थित बेलसोता नाला का पुल जो लगभग एक वर्ष पहले क्षतिग्रस्त हो चुका है। बारिश के मौसम में पुल से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है, जिससे कई गांवों का मुख्य मार्ग से संपर्क टूट जाता है। पुल निर्माण की स्वीकृति और वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में रपटा निर्माण की मांग प्रशासन से कई बार की गई, लेकिन इस दिशा में भी कोई कदम नहीं उठाया गया। युकां अध्यक्ष विक्की समद्दार ने कहा कि यदि समय रहते सड़क और पुल की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्रवासियों को मजबूर होकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करना पड़ेगा। आवेदन के अनुसार यदि प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई नहीं की जाती है तो 27 जुलाई को दोपहर 1 बजे महावीरपुर चौक में एनएच 43 पर चक्का जाम किया जाएगा।

लंबे समय से अनुपस्थिति पर आंगनबाड़ी सहायिका सेवा से पृथक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मरकाडांड़ के आंगनबाड़ी केन्द्र आमाटीकरा की आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमती सावित्री सांडिल्य को लंबे समय से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण सेवा से पृथक कर दिया गया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि चयन समिति के अनुमोदन उपरांत संबंधित आंगनबाड़ी सहायिका को सेवा से पृथक करने की कार्रवाई की गई है।

ग्राम कोटराही में संयुक्त कार्रवाई से 3 एकड़ भूमि कराई गई अतिक्रमण मुक्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में शासकीय भूमि की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) वाड्रफनगर के मार्गदर्शन में बुधवार को विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम कोटराही में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए लगभग 3 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

कार्रवाई के दौरान नियमानुसार अतिक्रमण हटाते हुए शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त किया गया। इसके बाद भूमि की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित करने एवं भविष्य में दोबारा अतिक्रमण की संभावना को समाप्त करने के उद्देश्य से जेसीबी मशीन की सहायता से सीमांकन संबंधी गड्ढे खुदवाकर भूमि की मार्किंग भी कराई गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित लोगों को शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा न करने तथा सार्वजनिक संपत्तियों का संरक्षण करने की समझाइश भी दी। साथ ही बताया गया कि शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान संयुक्त कार्रवाई में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, एसडीओपी, थाना प्रभारी बसंतपुर, चौकी प्रभारी वाड्रफनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, हल्का पटवारी सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं प्रवेश हेतु काउंसिलिंग 22 जुलाई से प्रारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री बालक भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु काउंसिलिंग 22 जुलाई से 5 अगस्त 2026 तक आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद पात्र विद्यार्थियों की सूची एवं काउंसिलिंग कार्यक्रम विभागीय वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। काउंसिलिंग प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक आवंटित प्रयास आवासीय विद्यालयों में आयोजित होगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि पर सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना अनिवार्य होगा। दस्तावेजों में कक्षा 8वीं की अंकसूची, अध्ययन प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, विशेष श्रेणी से संबंधित प्रमाण-पत्र तथा अन्य आवश्यक अभिलेख शामिल हैं।

समन्वित प्रयासों का परिणाम, एचपीवी टीकाकरण में जिला प्रदेश में अव्वल, कलेक्टर के नेतृत्व में किशोरियों के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में उपलब्धि

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए राष्ट्रव्यापी निःशुल्क एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले ने छत्तीसगढ़ में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यू-विन प्रगतिशील रिपोर्ट के अनुसार जिले ने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 100 प्रतिशत टीकाकरण उपलब्धि दर्ज करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में मातृ एवं बाल स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के लिए संचालित स्वास्थ्य अभियानों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

इसी क्रम में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले ने एचपीवी टीकाकरण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के नेतृत्व, सतत समीक्षा एवं प्रभावी मॉनिटरिंग में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग तथा मैदानी अमले ने समन्वित प्रयास करते हुए अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप दिया। दूरस्थ एवं विशेष पिछड़े जनजातीय क्षेत्रों सहित जिले के सभी पात्र बालिकाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष रणनीति अपनाई गई। नियमित समीक्षा, विभागीय समन्वय और माइक्रो प्लानिंग के कारण जिले ने चरणबद्ध रूप से शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने बताया कि जिले में 8,785 किशोरियों के टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध 8,763 किशोरियों का टीकाकरण पूर्ण किया जा चुका है। यू-विन पोर्टल के अनुसार जिले ने प्रदेश में सर्वाधिक 100 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक पहुंचना, विद्यालयों में अवकाश के दौरान छात्राओं तक संपर्क स्थापित करना, अभिभावकों की शंकाओं एवं भ्रांतियों का समाधान करना तथा पात्र किशोरियों का सत्यापन जैसी अनेक चुनौतियां सामने आईं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने डोर-टू-डोर संपर्क अभियान, विशेष टीकाकरण सत्र, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पात्र बालिकाओं की पहचान, मितानिनों, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। छूटे हुए प्रत्येक पात्र बालिकाओं तक पहुंचने के लिए विशेष अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप जिले को शत-प्रतिशत सफलता मिली।

अभियान के दौरान विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से किशोरियों और उनके अभिभावकों को एचपीवी संक्रमण एवं सर्वाइकल कैंसर से बचाव के संबंध में व्यापक रूप से जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में निरंतर जनसंपर्क कर टीकाकरण के प्रति विश्वास बढ़ाया और अधिक से अधिक पात्र बालिकाओं का टीकाकरण सुनिश्चित किया।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, मितानिनों, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विभागीय समन्वय, जनसहभागिता और टीमवर्क का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले जिले में भी सुनियोजित रणनीति और समर्पित प्रयासों से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण किशोरियों को भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण एवं जनस्वास्थ्य अभियानों में सक्रिय सहयोग प्रदान करें, ताकि जन-जन तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समय पर पहुंच सके।

शुद्ध पेयजल के लिए तरस रहे एसईसीएल कर्मी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में कॉलोनियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने को लेकर प्रबंधन पर सवाल उठने लगे हैं।कॉलोनीवासियों का आरोप है कि पखवाड़े भर से अधिक समय से दूषित पेयजल की आपूर्ति हो रही है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि शिकायत मिलने पर क्षेत्रीय प्रबंधन ने जल्द व्यवस्था सुधारने का आश्वासन दिया था, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है।

कॉलोनीवासियों का कहना है कि प्रबंधन कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे तो करता है, लेकिन पेयजल और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं है। कई बार फिल्टर प्लांट की टंकी सफाई का हवाला देकर जलापूर्ति बाधित कर दी जाती है, बावजूद इसके नियमित और शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हालात ऐसे हैं कि कई परिवार नगर पंचायत के बोरिंग और वैकल्पिक जल स्रोतों पर निर्भर हैं। इस मुद्दे पर श्रमिक संगठनों की चुप्पी भी चर्चा का विषय बनी हुई है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि अन्य मामलों में सक्रिय रहने वाले श्रम संगठन पेयजल जैसी गंभीर समस्या पर खुलकर आवाज नहीं उठा रहे हैं। कॉलोनीवासियों ने एसईसीएल प्रबंधन से जल्द प्रभावी कदम उठाकर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और कॉलोनियों की सफाई व्यवस्था में सुधार की मांग की है।

कलेक्टर के निर्देश पर बरियों मार्ग को बनाया जा रहा सुगम

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विभिन्न माध्यमों से प्राप्त राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर ग्राम बरियों के समीप निर्माणाधीन सड़क के कारण मुख्य मार्ग पर कीचड़ एवं दलदल की स्थिति बनने संबंधी पर कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करते हुए आमजन की आवागमन सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देशों के पालन में संबंधित एसडीओ द्वारा मौके पर जीएसबी का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, ताकि मार्ग को सुगम एवं सुरक्षित बनाया जा सके तथा आवागमन में हो रही असुविधा का शीघ्र समाधान हो सके। एसडीओ श्री निखिल लकड़ा ने बताया कि पुल-पुलिया के समीप एप्रोच रोड पर डब्ल्यूएमएम लेयर का कार्य शेष है। लगातार वर्षा के कारण मिट्टी का कार्य कराया जाना संभव नहीं है, जिससे भारी वाहनों के आवागमन के दौरान कुछ स्थानों पर वाहन फंसने की स्थिति निर्मित हो रही है। उन्होंने बताया कि मौसम अनुकूल होते ही मिट्टी हटाकर डब्ल्यूएमएम का कार्य प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है, ताकि मार्ग पर आवागमन पूरी तरह सुचारू रहे और आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने जानकारी दी है कि विभाग द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर के निर्देशन में स्कूली छात्राओं को गुड टच-बैड टच, पॉक्सो एक्ट एवं बाल अधिकारों की दी गई जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम सनावल स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को पाक्सो एक्ट, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, गुड टच-बैड टच, बाल सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, लैंगिक समानता, नशामुक्ति, बाल विवाह, बाल श्रम, भिक्षावृत्ति तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में छात्राओं को पाक्सो अधिनियम के प्रावधानों एवं बाल अधिकारों से अवगत

कराते हुए किसी भी प्रकार के शोषण अथवा असुरक्षित स्थिति में तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर संपर्क करने की जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच एवं बैड टच की पहचान, व्यक्तिगत सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा लैंगिक समानता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस दौरान बाल विवाह, बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति जैसी सामाजिक कुरीतियों के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए इनके उन्मूलन में सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। साथ ही बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के उद्देश्य एवं बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के महत्व की जानकारी भी साझा की गई।

समाज के कमजोर, वंचित और जरूरतमंदो की सेवा सबसे बड़ा धर्म-शकुंतला

विद्यायक ने प्रतापपुर में किया 'सहयोग फाउंडेशन' का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर क्षेत्र में समाजसेवा और जनकल्याण की दिशा में एक नई पहल की शुरूआत करते हुए सहयोग फाउंडेशन का शुभारंभ किया गया। धर्मार्थ एवं सामाजिक सेवा के उद्देश्य से स्थापित इस संस्था का उद्घाटन स्थानीय विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत सेमरा खुर्द के सरपंच, गणमान्य नागरिक, युवा और ग्रामीण उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान विधायक ने संस्था के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के लिए ऐसे संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विधायक शकुंतला ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के कमजोर, जरूरतमंद और वंचित वर्ग की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। सरकार अपने स्तर पर अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी से इन योजनाओं का लाभ और अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सहयोग फाउंडेशन यदि सेवा, समर्पण और पारदर्शिता की भावना के साथ कार्य करेगा तो निश्चित रूप से समाज में एक अलग पहचान स्थापित करेगा। विधायक ने संस्था के पदाधिकारियों और संस्थापक सदस्यों को शुभकामनाएं

देते हुए कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने युवाओं से भी सामाजिक सरोकारों से जुड़कर राष्ट्र और समाज निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सहयोग फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बताया कि यह एक धर्मार्थ)ल संस्था है, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय और वंचित वर्ग के लोगों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, वस्त्र, आश्रय एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करना है। संस्था भविष्य में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, रक्तदान शिविर, गरीब विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के कौशल विकास तथा सामाजिक जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम भी संचालित करेगी। संस्था के संस्थापक सदस्यों शिवम गुप्ता, सौरभ गुप्ता, विलियम मिंज, शुभम जायसवाल, नीलकंठ यादव एवं ऋषभ गुप्ता ने कहा कि सहयोग फाउंडेशन का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद लोगों तक वास्तविक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि संस्था बिना किसी भेदभाव के मानवता और सेवा की भावना के साथ कार्य करेगी तथा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाएगी। कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम पंचायत सेमरा खुर्द के सरपंच एवं ग्रामीणों ने सहयोग फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र में ऐसी संस्थाओं की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह संस्था जरूरतमंद लोगों के लिए सहारा बनेगी और सामाजिक समरसता को मजबूत करेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने संस्था के सेवा अभियान में हरसंभव सहयोग देने का भरोसा भी दिलाया। कार्यक्रम में समाजसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा भविष्य में सामूहिक रूप से जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। अंत में फाउंडेशन की ओर से समाज के सभी नागरिकों से इस सेवा अभियान में सहभागी बनने का आग्रह किया गया। संस्था ने कहा कि जनसहयोग और सामूहिक भागीदारी के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। मानवता, सहयोग और सेवा की भावना को आधार बनाकर संस्था आने वाले समय में अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों का संचालन करेगी, जिससे जरूरतमंद लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके और समाज में सेवा का मजबूत संदेश स्थापित हो।

फसल परिवर्तन योजना से राकेश कुमार यादव ने अपनाई अरहर की खेती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम गांतापार के किसान श्री राकेश कुमार यादव ने फसल परिवर्तन योजना का लाभ लेते हुए पानी की कमी वाले क्षेत्र में धान के स्थान पर अरहर की खेती अपनाई है। इससे उन्हें कम पानी में बेहतर खेती करने का अवसर मिला है। शासन द्वारा प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन राशि मिलने से उन्हें इस दिशा में आगे बढे का उत्साह मिला। किसान श्री राकेश यादव ने बताया कि उनके पास लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि है। इनमें से 3 एकड़ में अरहर तथा 2 एकड़ में धान की खेती कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी अधिकांश भूमि असिंचित है, जिसके कारण पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पाता और धान की अच्छी उपज नहीं मिलती थी। ऐसे में फसल परिवर्तन योजना उनके लिए लाभदायक साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि पानी की कमी को देखते हुए धान के बजाय अरहर की खेती करना अधिक उपयुक्त है। शासन द्वारा फसल परिवर्तन के लिए मिलने वाली 15 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि से किसानों को नई फसल अपनाने के लिए प्रेरणा मिल रही है। श्री राकेश कुमार यादव ने कहा कि फसल परिवर्तन योजना किसानों के लिए बहुत अच्छी पहल है। सभी किसानों को इसका लाभ उठाकर अपनी परिस्थितियों के अनुसार वैकल्पिक फसलों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने इस योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार किसानों के हित में ऐसी योजनाएं निरंतर संचालित करती रहे।

जिला प्रशासन ने ग्राम खुटेरी में 3.28 एकड़ शासकीय भूमि को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निदेर्शानुसार जिले में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम खुटेरी में शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई की गई। प्राप्त शिकायत के अनुसार ग्राम खुटेरी के 3 किसान फगन सतनामी, सूर्यभान बंजारे एवं तोपसिंह सतनामी द्वारा शासकीय घास मद की 3.28 एकड़ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर फसल की बोआई की गई थी। शिकायत के सत्यापन उपरांत राजस्व विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर की सहायता से मेड़ एवं खेतों की जुताई कर अवैध कब्जा हटाया गया। कार्रवाई के दौरान संबंधित किसानों को भविष्य में शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या कब्जा नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध आगे भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

सियानगुड़ी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण शिविर आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग, धमतरी के सहयोग से जननी सेवा संस्थान, अजुर्नी द्वारा संचालित सियानगुड़ी (डे-केयर सेंटर) में मंगलवार को एम.जी.एम. नेत्र चिकित्सालय, रायपुर के सहयोग से वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 40 वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर निःशुल्क नेत्र परीक्षण का लाभ उठाया। एम.जी.एम. नेत्र चिकित्सालय, रायपुर से आए आउटरीच टीम के विशेषज्ञों द्वारा सभी हितग्राहियों की आंखों की जांच की गई। परीक्षण के उपरांत आवश्यकता के अनुसार पात्र वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया गया तथा नेत्र स्वास्थ्य एवं दृष्टि संरक्षण संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया गया। शिविर में उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उनके स्वास्थ्य एवं जीवन की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने समाज कल्याण विभाग, एम.जी.एम. नेत्र चिकित्सालय, रायपुर तथा जननी सेवा संस्थान, अजुर्नी के प्रति आभार व्यक्त किया। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ एवं निःशुल्क नेत्र चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना, दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान कर उपचार एवं आवश्यक परामर्श प्रदान करना है। विभाग द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए इस प्रकार के जनहितकारी प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं।

कलेक्टर के आदेश उड़ाई धज्जियां

भैंसामुंडा महानदी पुल की आधी-अधूरी मरम्मत से बरकरार हादसे का खतरा

सूरजपुर। अंबिकापुर बनारस मुख्य मार्ग पर स्थित भैंसामुंडा महानदी पुल की बदहाल स्थिति एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। समाचार प्रकाशन और जन शिकायतों के बाद कलेक्टर रैना जमील के निर्देश पर तीन-चार दिन पहले पुल की मरम्मत का कार्य शुरू कराया गया था। लेकिन स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार ने कलेक्टर के निर्देशों को गंभीरता से लेने के बजाय केवल खानापूर्ति करते हुए मरम्मत कार्य पूरा दिखा दिया। ग्रामीणों के अनुसार पुल पर मौजूद दर्जनों गहरे और जानलेवा गड्ढों में से केवल कुछ गड्ढों में ही सामग्री डालकर औपचारिकता निभाई गई, जबकि अधिकांश गड्ढे आज भी जस के तस बने हुए हैं। लगातार बारिश के कारण इन गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे वाहन चालकों को उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता और दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मरम्मत कार्य तकनीकी मानकों के अनुरूप नहीं कराया गया। प्रशिक्षित मिस्त्रियों के बजाय सामान्य मजदूरों से काम कराकर गुणवत्ता से समझौता किया गया, जिसका परिणाम यह है कि पुल की स्थिति में कोई खास सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। भैंसामुंडा महानदी पुल अंबिकापुरझबनारस मुख्य मार्ग का अत्यंत व्यस्त पुल है, जहां से प्रतिदिन हजारों दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन गुजरते हैं। ऐसे में पुल पर बने गहरे गड्ढे किसी भी समय बड़े सड़क हादसे का कारण बन सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण मरम्मत नहीं कराई गई, तो किसी भी दिन बड़ी जनहानि हो सकती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कलेक्टर के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद संबंधित ठेकेदार ने लापरवाही बरती और सरकारी आदेश की भी अनदेखी की। इसे लेकर क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने पूरे मामले की तकनीकी जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा पुल की गुणवत्ता मानकों के अनुसार दोबारा मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही पुल की स्थायी मरम्मत नहीं कराई गई और जानलेवा गड्ढों को पूरी तरह नहीं भरा गया, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उनका कहना है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय तत्काल प्रभावी कार्रवाई करे, ताकि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

बिजली की बचत के लिए स्मार्ट मीटर एक कारगर कदमःसंजय तेजवानी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छोटे-छोटे प्रयासों से बिजली की बचत होती है। जब बिजली की आवश्यकता नहीं हो तो बिजली का स्वीच बंद कर दें। ऐसी ही आदतों को अमल में लाने तथा बिजली की बचत के लिए स्मार्ट मीटर एक कारगर कदम साबित हो रहा है। एक ऐसा तरीका जिससे बिजली के खपत की नियमित मानिटरिंग कर उपभोक्ता अपने बिजली बिल में कमी ला सकते हैं। स्मार्ट मीटर एक नवाचार एवं ऐसी तकनीक है, जिसके माध्यम से दिन-प्रतिदिन बिजली खपत की जानकारी प्राप्त हो सकेगी। राजनांदगांव शहर के लालबाग के श्री संजय तेजवानी ने बताया कि उनके घर स्मार्ट मीटर लगा है। स्मार्ट मीटर में दिन-प्रतिदिन के विद्युत खपत की पूरी जानकारी मिल रही है। ज्यादा बिजली बिल आने पर उपकरण कितनी देर चला और उससे कितने विद्युत की खपत हुई, प्रमाणिक तौर पर जानकारी मिलती है। स्मार्ट मीटर के माध्यम से विद्युत की बचत कर बिजली बिल में कमी ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर अच्छा है। शहरवासियों को इसे लगाना चाहिए। पहले तो मीटर की रीडिंग मालूम नहीं होती थी, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद 15 दिन के बिजली बिल की पहले ही विस्तृत जानकारी मिल जाती है। हर 30 दिन की मीटर रीडिंग पता चल जाती है तथा पिछले साल की रीडिंग भी निकल जाती है। उन्होंने कहा कि उपकरणों का कम उपयोग करते हुए बिजली के बिल को नियंत्रित किया जा सकता है। सभी नागरिकों को इसका उपयोग करना चाहिए। उन्होंने अपने घर पर स्मार्ट मीटर लगने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया।

दिल्ली जंतर-मंतर की घटना पर कांग्रेसियों का उग्र प्रदर्शन, अग्रसेन चौक पर फूंका पीएम मोदी का पुतला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। दिल्ली के जंतर मंतर मेँ छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कथित मारपीट और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित वरिष्ठ विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में बुधवार को यहां जिला मुख्यालय में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए छात्र आंदोलन पर बल प्रयोग और विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताया। जिला कांग्रेस महामंत्री संजय डोशी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता पुराने रेस्ट हाउस से रैली की शक्ल में निकले। कार्यकर्ता 'छात्रों के साथ अन्याय बंद करो', 'मोदी इस्तीफा दो', 'मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' और 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो' जैसे नारे लगाते हुए अग्रसेन चौक पहुंचे। यहां पुलिस बल की मौजूदगी के बीच कांग्रेस कार्यकताओं ने पुलिस को चकमा देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। महामंत्री संजय डोशी ने कहा कि जंतर-मंतर पर अपने अधिकारों की आवाज बुलंद कर रहे छात्र-छात्राओं के साथ कथित मारपीट और उनके समर्थन में पहुंचे राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी सहित विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि देश का युवा अपने भविष्य और रोजगार की लड़ाई लड़ रहा है, लेकिन केंद्र सरकार उसकी आवाज सुनने के बजाय दमन औरगिरफ्तारी का रास्ता अपना रही है। कांग्रेस इस तानाशाही के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज

कराना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। छात्रों पर कथित बल प्रयोग और विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी से केंद्र सरकार की असहिष्णु मानसिकता उजागर हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश के युवाओं, किसानों और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी तथा अन्याय के खिलाफ उसकी लड़ाई लगातार जारी रहेगी। प्रदर्शन में इस्माईल खान, संजू श्रीवास्तव, वेदप्रकाश मिश्रा, केबी सिंह, परमेश्वर राजवाड़े, सुनील सारथी, अंशुल गोयल, आशीष यादव, संजीत सिंह, लखनलाल कुर्रे, राजकुमार रवि, संजय सोनी, विक्की समद्दार, मेही साहू, बिहारी कुलदीप, लिली राजवाड़े, समीर सिंह, कवलबिहारी सिंह, रोहन राजवाड़े, शांतनू डोशी, मासूम इराकी, अजीत यादव, अजय सोनवानी, अरवीना, खुशी, अनूप गुप्ता, अभय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंदोलन में फिर दिखी संगठन की सुस्ती, कई ब्लॉक अध्यक्ष रहे नदारद

प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर आयोजित इस महत्वपूर्ण प्रदर्शन में एक बार फिर सूरजपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्र के कई ब्लॉक अध्यक्षों तथा पदाधिकारियों की गैरमौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही। कार्यकताओं के बीच यह सवाल उठता रहा कि पार्टी के प्रमुख आंदोलनों में लगातार एक गुट विशेष से जुड़े वरिष्ठ नेताओं का दूरी बनाए रखना संगठनात्मक एकजुटता पर सवाल खड़े कर रहा है। राजनीतिक गलियारों में भी यह चर्चा रही कि यदि ऐसी स्थिति बनी रही तो आगामी कार्यक्रमों और संगठन की सक्रियता पर इसका असर पड़ सकता है।

एनएसयूआई ने भी फूँका प्रधानमंत्री का पुतला

इधर दूसरी ओर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू के नेतृत्व में कार्यकताओं ने छात्र-छात्राओं पर हुए बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में उग्र प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और अग्रसेन चौक में प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया। आकाश ने बताया कि देश की मोदी सरकार द्वारा युवाओं एवं छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर तानाशाही व लाठी के दम पर छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है। देश में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है नीट सहित अन्य राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर बार-बार लीक हो रहे हैं जिससे सालों तक कड़ी मेहनत करने वाले लाखों होनहार छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो

गया है बताया गया कि जब देश का छात्र अपने अधिकारों और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से आवाज उठा रहा था तब केंद्र सरकार ने संवाद कायम करने के बजाय पुलिस के बल पर उन पर लाठियां बरसाईं लोकतंत्र में छात्रों की आवाज को इस तरह बर्बरता से दबाना बेहद शर्मनाक और तानाशाही रवैये को दशार्ता है। एनएसयूआई ने मांग किया कि देश की सभी राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच हो तथा पेपर लीक माफियाओं पर गैर-जमानती धाराओं के तहत तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे निहत्थे छात्रों पर लाठीचार्ज का आदेश देने वाले प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर उन पर मामला दर्ज किया जाए एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की कार्यप्रणाली में सुधार कर परीक्षाओं की शुचिता व पारदर्शिता की गारंटी दी जाए एनएसयूआई के कार्यकताओं ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि देश का युवा अब शांत बैठने वाला नहीं है केंद्र सरकार की नाकामियों की कीमत देश का छात्र अपने भविष्य से चुका रहा है अगर सरकार ने जल्द ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं किया और लाठीचार्ज के दोषियों पर कार्रवाई नहीं की तो एनएसयूआई इस आंदोलन को सड़कों से लेकर दिल्ली के संसद भवन तक और अधिक उग्र रूप में ले जाएगी।

सम्पादकीय

वार्ता से ही निकलेगा सुलह का रास्ता

परीक्षाओं में कथित धांधली के विरोध में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्रों के 'चलो संसद' मार्च के दौरान पैदा हुए तनाव के बाद जिस प्रकार केंद्र सरकार ने बातचीत की पहल की और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा के साथ प्रतिनिधिमंडल की वार्ता हुई, उसके बाद अभिजीत दीपके द्वारा अनशन समाप्त करने का निर्णय एक सकारात्मक संकेत माना जा सकता है।नड्डा ने प्रदर्शनकारी प्रतिनिधियों से उनकी मांगों पर चर्चा की। बातचीत में सोनम वांगचुक की रिहाई, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग सहित परीक्षा प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दे उठाए गए। यह पहल संकेत देती है कि लंबे गतिरोध का समाधान टकराव के बजाय संवाद और सहमति के माध्यम से तलाशने की कोशिश की जा रही है। हालांकि यह भी सच है कि हा मुद्दे का समाधान वार्ता से ही निकलता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां नागरिकों को अपनी बात रखने, सरकार से सवाल पूछने और अपनी मांगों को शांतिपूर्ण ढंग से उठाने का संवैधानिक अधिकार है। यही अधिकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाते हैं। दूसरी ओर, सरकार और प्रशासन की जिम्मेदारी कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की होती है। इसलिए जब भी किसी आंदोलन और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बनती है, तब दोनों पक्षों से संयम और जिम्मेदारी की अपेक्षा की जाती है। सरकार द्वारा प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए आमंत्रित करना और आंदोलनकारियों द्वारा बातचीत का रास्ता स्वीकार करना इस दिशा में एक सकारात्मक शुरुआत है। इससे यह संदेश जाता है कि लोकतंत्र में असहमति के बावजूद संवाद के द्वार कभी बंद नहीं होने चाहिए। यदि दोनों पक्ष पूर्वाग्रह छोड़कर समाधान की भावना से आगे बढ़ें तो कई ऐसे विवाद भी सुलझ सकते हैं जो सड़क पर लंबे गतिरोध का कारण बन जाते हैं। अब आवश्यकता केवल आश्वासन तक सीमित रहने की नहीं है। सरकार को परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए ठोस सुधार लागू करने होंगे। वहीं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे युवाओं और आयोजकों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी आवाज रचनात्मक सुझावों के साथ आगे बढ़े और आंदोलन का स्वरूप शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक बना रहे। इससे उनकी मांगों को अधिक व्यापक समर्थन भी मिलेगा और समाधान की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। वहीं, कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। सभी मसलों को मिल बैठकर सुलझाना ही प्राथमिकता होना चाहिए। वहीं, विपक्ष का दायित्व केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों पर रचनात्मक सुझाव देना और समाधान की दिशा में सहयोग करना भी है। शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से ऊपर रखकर देखा जाना चाहिए, क्योंकि इसका सीधा संबंध देश के युवाओं और भविष्य से है। अंततः यह घटनाक्रम एक महत्वपूर्ण सीख देता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सड़क पर उतरना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान हमेशा संवाद की मेज पर ही निकलता है। टकराव क्षणिक सुर्खियां दे सकता है, पर विश्वास और सहमति केवल बातचीत से ही बनती है।

मुद्दा
कांतिलाल मांडोत

आंदोलन की आड़ में राजनीति अनुचित

परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर दिल्ली में आयोजित 'चलो संसद' मार्च ने शिक्षा सुधार के मुद्दे के साथ-साथ आंदोलनों की प्रकृति और उनकी राजनीतिक भूमिका पर भी नई बहस छेड़ दी है। जंतर-मंतर से संसद की ओर बढ़ते प्रदर्शन, पुलिस के साथ टकराव और विपक्षी दलों की सक्रिय मौजूदगी ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या यह केवल छात्रों की आवाज थी या फिर राजनीतिक दलों के लिए सरकार को घेरने का अवसर भी। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता तभी बनी रहती है जब वह जनहित, संयम, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं के दायरे में आगे बढ़े।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद तक निकाले गए तथाकथित चलो संसद मार्च ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या देश में हर आंदोलन वास्तव में जनहित के लिए होता है या फिर कुछ आंदोलन केवल राजनीतिक उद्देश्य साधने के लिए खड़े किए जाते हैं। सोनम वांगचुक के अनशन और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन को जिस तरह से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं ने खुलकर समर्थन दिया, उससे यह आंदोलन एक स्वतंत्र जनआंदोलन कम और विपक्षी दलों के राजनीतिक मंचन का प्रयास अधिक दिखाई दिया। जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की कोशिश के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया, कई लोग संसद मार्ग की ओर बढ़े और कुछ प्रदर्शनकारी मेट्रो स्टेशनों तक पहुंच गए, जहां नारेबाजी भी हुई। ऐसे समय में जब संसद का सत्र चल रहा हो और राजधानी में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो, तब बिना अनुमति संसद की ओर मार्च निकालना स्वाभाविक रूप से कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती बन जाता है। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार संविधान देता है, लेकिन उसके साथ कानून का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है। लोकतंत्र अधिकार और जिम्मेदारी दोनों के संतुलन पर ही चलता है।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाना नागरिकों का अधिकार है। लेकिन जब विरोध प्रदर्शन संसद, राष्ट्रपति भवन या अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की ओर बढ़ने लगते हैं, तब प्रशासन के सामने सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि प्रदर्शनकारी और प्रशासन दोनों संयम बरतें। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, वहीं यदि कानून तोड़ने का प्रयास हुआ है तो उसके लिए भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात यह रही कि मंच पर और प्रदर्शन में कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी के कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। मनीष सिसोदिया, आतिशी, संजय सिंह और अन्य विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने यह संदेश दिया कि आंदोलन अब शिक्षा सुधार की मांग से आगे बढ़कर राजनीतिक रंग ले चुका है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि यह वास्तव में छात्रों का आंदोलन था तो फिर विपक्षी दलों की इतनी सक्रिय भूमिका क्यों दिखाई दी। लोकतंत्र में राजनीतिक समर्थन असामान्य नहीं है, लेकिन जब किसी आंदोलन की पहचान उसके मूल मुद्दे से अधिक राजनीतिक दलों की उपस्थिति से होने लगे, तो उसके स्वरूप पर चर्चा होना भी स्वाभाविक है। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से गंभीर है और किसी भी परीक्षा में अनियमितता होने पर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखना सरकार और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी है। प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य से जुड़ी होती हैं और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। इसलिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, परीक्षा प्रक्रिया में तकनीकी

सुधार और पारदर्शिता सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। लेकिन पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को विफल घोषित कर देना या हर परीक्षा को संदेह के घेरे में खड़ा कर देना भी उचित नहीं कहा जा सकता। लाखों विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम के बाद परीक्षाएं दीं और बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का प्रमाण दिया। ऐसे में यह कहना कि पूरी व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, उन लाखों ईमानदार विद्यार्थियों की मेहनत का भी अपमान माना जा सकता है। सुधार की आवश्यकता स्वीकार करना और पूरे तंत्र को असफल घोषित कर देना दोनों अलग-अलग बातें हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी लगातार शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रही हैं। विपक्ष का यह अधिकार भी है और लोकतंत्र में उसकी जिम्मेदारी भी। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि देश की शिक्षा व्यवस्था का बड़ा हिस्सा दशकों तक उन्हीं सरकारों के अधीन विकसित हुआ, जिनका नेतृत्व कांग्रेस ने किया। यदि आज विपक्ष शिक्षा सुधार की बात करता है तो उसे यह भी बताना चाहिए कि लंबे समय तक सत्ता में रहते हुए उसने कौन-सी ऐसी व्यवस्थाएं विकसित की थीं जो भविष्य की चुनौतियों का समाधान कर सकें। लोकतांत्रिक बहस तब अधिक प्रभावी होती है जब उसमें आत्ममंथन भी शामिल हो। यह भी देखने योग्य है कि इस पूरे आंदोलन में अभिजीत दीपके को प्रमुख चेहरा बनाया गया, जबकि राजनीतिक समर्थन विपक्षी दलों की ओर से प्रमुखता से दिखाई दिया। इससे ऐसी धारणा बनी कि आंदोलन का सामाजिक पक्ष धीरे-धीरे राजनीतिक रणनीति के साथ जुड़ गया। किसी भी जनआंदोलन की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता होती है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि आंदोलन किसी राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन गया है, तो उसके मूल उद्देश्य पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठने लगते हैं। देश इस समय आधारभूत संरचना, डिजिटल प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, परिवहन, विनिर्माण और वैश्विक कूटनीति जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ने का दावा कर रहा है। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और आर्थिक संभावनाओं पर दुनिया की नजर है। ऐसे समय में सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ उसकी कमियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। लेकिन आलोचना तथ्यों, प्रमाणों और रचनात्मक सुझावों पर आधारित होनी चाहिए। केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से न तो शिक्षा व्यवस्था सुधरेगी और न ही विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान होगा। यह भी आवश्यक है कि सरकार ऐसे आंदोलनों को केवल राजनीतिक चुनौती मानकर खारिज न करे। यदि छात्रों और युवाओं के बीच किसी विषय को लेकर असंतोष है तो उसके कारणों को समझना और समाधान निकालना भी सरकार की जिम्मेदारी है। संवाद किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति होता है। जहां संवाद समाप्त होता है, वहीं टकराव शुरू होता है। इसलिए, सरकार और प्रदर्शनकारियों—दोनों को संवाद का रास्ता खुला रखना चाहिए। आज जरूरत केवल विरोध या समर्थन की राजनीति करने की नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने की है। परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय हो, डिजिटल सुरक्षा मजबूत की जाए, पेपर लीक मामलों की समयबद्ध जांच हो और दोषियों को शीघ्र सजा मिले। इससे विद्यार्थियों का भरोसा मजबूत होगा और आंदोलन की आवश्यकता भी कम पड़ेगी। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। वह समय के साथ यह तय करती है कि कौन-सा आंदोलन वास्तविक जनहित से प्रेरित है और कौन-सा राजनीतिक लाभ की संभावना से। शिक्षा सुधार पर गंभीर चर्चा अवश्य होनी चाहिए, लेकिन उसके लिए रचनात्मक संवाद, संस्थागत सुधार और ठोस नीति आवश्यक है, न कि केवल सड़क पर शक्ति प्रदर्शन।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

निर्णायक कदम
महेन्द्र तिवारी

शून्य उत्सर्जन की दिशा

में भारतीय रेलवे का सफर

भारतीय रेल नेटवर्क दुनिया के सबसे बड़े और व्यस्ततम रेल नेटवर्कों में से एक है। अपनी स्थापना के समय से लेकर आज तक भारतीय रेलवे ने समय के साथ अपनी तकनीक और कार्यप्रणाली में कई बड़े और परिवर्तनकारी बदलाव किए हैं। कोयले से चलने वाले भाप इंजनों से लेकर डीजल और फिर व्यापक विद्युतीकरण तक का सफर रेलवे की निरंतर तकनीकी प्रगति को दर्शाता है। इसी विकास यात्रा में अब एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। भारत ने अपनी पहली हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित ट्रेन का सफलतापूर्वक संचालन शुरू कर दिया है। नमो ग्रीन रेल के नाम से जानी जाने वाली यह अत्याधुनिक ट्रेन हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच पटरियों पर उतरी है। यह केवल एक नई ट्रेन का उद्घाटन मात्र नहीं है बल्कि यह ऊर्जा के स्वच्छ विकल्पों की ओर भारत के एक बड़े और निर्णायक कदम का प्रतीक है। इस ट्रेन का निर्माण रेलवे की चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया गया है जो भारत की आत्मनिर्भरता और इंजीनियरिंग क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है। इस ट्रेन के स्वरूप और क्षमता की बात करें तो इसमें दो विशेष रूप से डिजाइन की गई हाइड्रोजन ड्राइविंग पावर कार और आठ वातानुकूलित यात्री कोच शामिल किए गए हैं। अपनी पूरी क्षमता के साथ यह ट्रेन एक बार में लगभग छब्बीस सौ यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित और सुगमता से पहुंचाने में सक्षम है। गति के मोर्चे पर भी यह ट्रेन काफी उन्नत है। हालांकि इसकी अधिकतम डिजाइन गति एक सौ दस किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, लेकिन वर्तमान प्रायोगिक चरण में इसे पचहत्तर किलोमीटर प्रति घंटे की सुरक्षित रफ्तार से संचालित किया जा रहा है। यह हाइड्रोजन ट्रेन अपनी बिजली खुद बनाती है। ट्रेन की छतों या विशेष डिब्बों में उच्च दबाव वाले मजबूत टैंक लगे होते हैं जिनमें हाइड्रोजन गैस सुरक्षित रूप से भरी होती है। यह गैस ट्रेन में लगे अत्याधुनिक फ्यूल सेल के भीतर जाती है। वहां यह गैस वायुमंडल से खींची गई ऑक्सीजन के साथ एक इलेक्ट्रो रासायनिक प्रतिक्रिया करती है। इस पूरी रासायनिक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप भारी मात्रा में बिजली पैदा होती है और यही वह बिजली है जो ट्रेन की भारी भरकम मोटरों को चलाकर उसे पटरियों पर आगे बढ़ाती है। इस पूरी प्रक्रिया का सबसे खूबसूरत और पर्यावरण के अनुकूल पहलू यह है कि इसमें कोई हानिकारक धुआं या कार्बन गैस वातावरण में नहीं घुलती है। जींद रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन में गैस भरने के लिए एक विशेष रिफ्यूलिंग स्टेशन बनाया गया है जो इंजीनियरिंग का एक जटिल नमूना है। भविष्य में अगर इन ट्रेनों को पूरे देश में चलाना है तो ऐसे सैकड़ों स्टेशन बनाने होंगे। इसके लिए हरित हाइड्रोजन का उत्पादन बड़े पैमाने पर बढ़ाना होगा और उसे सुरक्षित रूप से देश के कोने कोने तक ले जाने के लिए विशेष टैंकरों की व्यवस्था करनी होगी। भंडारण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित किए बिना इस तकनीक का विस्तार संभव नहीं है। जब तक हाइड्रोजन के उत्पादन से लेकर उसके अंतिम वितरण तक का एक सस्ता और सुलभ तंत्र पूरी तरह से विकसित नहीं हो जाता तब तक इस तकनीक का व्यावसायिक रूप से पूरे भारत में विस्तार करना एक बड़ी आर्थिक और व्यावहारिक चुनौती बनी रहेगी। रखरखाव और सुरक्षा के मामले में भी यह नई तकनीक रेलवे के कर्मचारियों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव और चुनौती लेकर आई है। डीजल इंजनों के भारी भरकम यांत्रिक पुर्जों और तेल से अलग इस ट्रेन का रखरखाव मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक और रासायनिक प्रणालियों की सटीकता पर निर्भर करता है। हाइड्रोजन गैस बहुत ही अधिक ज्वलनशील होती है इसलिए इसके जरा से भी रिसाव का पता लगाने के लिए ट्रेन के चप्पे चप्पे पर अति संवेदनशील सेंसर लगाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वचालित प्रणालियां स्थापित की गई हैं। इन सब अत्याधुनिक उपकरणों की नियमित जांच और मरम्मत के लिए भारतीय रेलवे को अपने तकनीकी कर्मचारियों और इंजीनियरों को सिरे से नया प्रशिक्षण देना होगा ताकि सुरक्षा मानकों के साथ किसी भी स्तर पर कोई समझौता न हो सके। संक्षेप में कहा जाए तो भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन केवल धातु और तारों से बनी कोई सामान्य मशीन नहीं है बल्कि यह भविष्य के आत्मनिर्भर भारत की एक स्पष्ट झलक है। जींद और सोनीपत के बीच चल रही यह प्रायोगिक ट्रेन अगर लागत समय की पाबंदी और सुरक्षा के कड़े पैमानों पर पूरी तरह से खरी उतरती है तो आने वाले कुछ ही वर्षों में हम हर कोने में ऐसी ट्रेनें दौड़ते हुए देख सकेंगे। यह न केवल भारतीय रेलवे का चेहरा हमेशा के लिए बदल देगी बल्कि पूरी दुनिया को भी एक स्वच्छ सुरक्षित और टिकाऊ परिवहन का रास्ता दिखाएगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से दुखों को किया जा सकता है खत्म

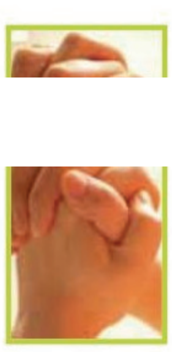

संकलित

दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा

सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी। देश में जन सामान्य को शांति के सूत्र अपनाने चाहिए। सावधानी के साथ प्रेम का व्यवहार शांति के मार्ग को निष्कंटक करेगा।

बल प्रयोग अंतिम विकल्प

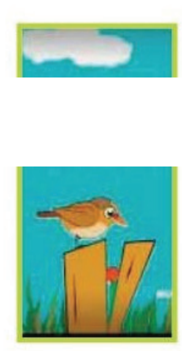

संकलित

प्रेरणा

एक चिड़िया का एक दाना पेड़ के कंदरे में कहीं फंस गया था। चिड़िया ने पेड़ से बहुत अनुरोध किया उस दाने को दे देने के लिए लेकिन पेड़ उस छोटी सी चिड़िया की बात भला कहां सुनने वाला था। हार कर चिड़िया बढ़ई के पास गई और उसने उससे अनुरोध किया कि तुम उस पेड़ को काट दो, क्योंकि वो उसका दाना नहीं दे रहा। भला एक दाने के लिए

बढ़ई पेड़ कहां काटने वाला था। फिर चिड़िया राजा के पास गई और उसने राजा से कहा कि तुम बढ़ई को सजा दो क्योंकि बढ़ई पेड़ नहीं काट रहा और पेड़ दाना नहीं दे रहा। राजा ने उस नन्हीं चिड़िया को डांट कर भगा दिया कि कहां एक दाने के लिए वो उस तक पहुंच गई है। चिड़िया हार नहीं मानने वाली थी। वो महावत के पास गई कि अगली बार राजा जब हाथी की पीठ पर बैठेगा तो तुम उसे गिरा देना। चिड़िया आखिर में चींटी के पास गई और वही अनुरोध दोहराकर कहा कि तुम हाथी की सूंढ़ में घुस जाओ। चींटी ने चिड़िया से कहा, चल भाग यहां से...बड़ी आई हाथी की सूंढ़ में घुसने को बोलने वाली। अब तक अनुरोध की मुद्रा में रही चिड़िया ने रौद्र रूप धारण कर लिया। उसने चींटी से कहा तुझे तो अपनी चोंच में डाल कर खा ही सकती हूँ। चींटी डर गई...भाग कर राजा के पास पहुंची। राजा ने फौरन बढ़ई को बुलाया उससे कहा कि पेड़ काट दो नहीं तो सजा दूंगा। बढ़ई को देखते ही पेड़ बिलबिला उठा कि मुझे मत काटो। मैं चिड़िया को दाना लौटा दूंगा...! अंत में चिड़िया ने अपना दाना पेड़ से प्राप्त कर लिया और वो खुशी खुशी अपने घोंसले में चली गई।

अंतर्मन

आज की पाती

घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार का समय

भारत की सीमाओं की सुरक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता और आंतरिक स्थिरता से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण विषय है। लंबे समय से बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाओं से होने वाली अवैध घुसपैठ देश के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। यह समस्या केवल अवैध रूप से देश में प्रवेश करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ फर्जी दस्तावेज, मानव तस्करी, हवाला, नशीले पदार्थों की तस्करी, संगठित अपराध और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का जाल भी जुड़ जाता है। इसलिए इस चुनौती से निपटने के लिए अब आधे-अधूरे नहीं, बल्कि निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। केंद्र सरकार द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन कराना, सीमा पर बाड़ लगाने की गति तेज करना और घुसपैठ रोकने के उपायों की समीक्षा बढ़िया कदम हैं। - प्रतीक शर्मा, कैथल

करंट अफेयर

कांगो में इबोला के प्रकोप से अब तक 930 लोगों की मौत

कांगो में इबोला के प्रकोप से कम से कम 930 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 37 लोगों की मौत शुक्रवार से शनिवार के बीच 24 घंटे के दौरान हुई। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार तक इबोला के 2,344 मामलों की पुष्टि हुई है, जिनमें से 930 मरीजों की मौत हो चुकी है। पूर्वी कांगो में इबोला के प्रकोप की घोषणा 15 मई को की गई थी। यह रिकॉर्ड में, सबसे तेजी से फैलने वाला इबोला प्रकोप बन गया है। इस प्रकोप के लिए जिम्मेदार बंडिबुग्यो वायरस, इबोला बीमारी फैलाने वाले अन्य वायरस की तुलना में कम पाया जाता है और इसके लिए फिलहाल कोई मंजूरी प्राप्त टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। इबोला अत्यधिक संक्रामक बीमारी है और यह जंगली जानवरों से मनुष्यों में फैल सकती है। यह बीमारी कई मामलों में जानलेवा साबित होती है। मौत के आंकड़ों में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण सबसे अधिक प्रभावित प्रांत 'इतुरी' में राहत और बचाव अभियान पर असर पड़ा है। कुल पांच प्रांत प्रभावित हुए हैं और ये सभी पूर्वी इलाके में हैं, जहां विद्रोहियों का बोलबाला है।

ऑफ बीट

ग्रीक फायर: रोमन साम्राज्य का सबसे विनाशकारी हथियार

आधुनिक काल के सामूहिक विनाश के हथियारों से बहुत पहले एक ऐसा हथियार था, जिसे 'ग्रीक फायर' (इग्निस ग्रेकस) के नाम से जाना जाता है। ग्रीक फायर का सूत्र इतना गोपनीय रखा गया था कि 1453 में बीजान्टिन साम्राज्य के ओटोमन साम्राज्य के हाथों पतन के साथ ही इसका रहस्य भी हमेशा के लिए खो गया। तब से लेकर आज तक अनेक रसायनविद, इतिहासकार, वैज्ञानिक और प्रायोगिक पुरातत्वविद इस रहस्यमयी हथियार का वास्तविक सूत्र जानने की कोशिश करते रहे हैं। ग्रीक फायर एक ज्वलनशील तरल पदार्थ था, जिसे बीजान्टिन युद्धपोतों के अगले हिस्से पर लगी पीतल या कांसे की नली (साइफन) के माध्यम से दुश्मन के जहाजों पर फेंका जाता था। यह तरल जिस सतह पर गिरता, उससे चिपक जाता था। यहां तक कि पानी पर भी यह जलता रहता था और उसे बुझाना लगभग असंभव था। नेपाम (नैप्थालीन और नारियल के तेल से बना पदार्थ) की तरह काम करने वाला यह हथियार बीजान्टिन नौसेना को अपने दुश्मनों पर बड़ा सामरिक लाभ देता था। सातवीं शताब्दी में उभरती हुई अरब शक्ति की समुद्री ताकत ने बीजान्टिन साम्राज्य के सामने नयी चुनौतियां खड़ी कर दी थीं।

X ट्रेंड f

युवा इतिहास रच रहे

युवा आज इतिहास रच रहे हैं। नए स्टार्टअप अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं। मुझे बताया गया कि स्काईरूट कंपनी की जिस टीम ने यह कारनामा कर दिखाया है। उनकी औसत उम्र 28 साल है। हालांकि मैं किसी 56 साल के युवा की बात नहीं कर रहा। -**नरेंद्र मोदी**, पीएम

बटुकेश्वर दत्त को नमन

महान स्वाधीनता सेनानी एवं अमर क्रांतिकारी बटुकेश्वर दत्त जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने भगत सिंह जी के साथ केंद्रीय विधानसभा में बम फेंककर अंग्रेजों के अन्याय के विरुद्ध पूरे देश में आजादी की अलख जलाई। कठोर यातनाएँ सहकर भी स्वाधीनता के संकल्प को अडिग रखा। -**अमित शाह**, गृहमंत्री

पीएम मोदी युवा विरोधी

प्रधानमंत्री मोदी भारत के इतिहास के सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री हैं। वह इतने युवा-विरोधी हैं कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते। 152 पेपर लीक की घटनाओं से 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए, लेकिन किसी दोषी को सजा नहीं मिली। -**राहुल गांधी**, नेता विपक्ष

हमारी मांग स्पष्ट

हमारी मांग स्पष्ट है, जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। यह हमारी जायज मांग है और हमारा वैध अधिकार है। हम इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह से गंभीर हैं। केंद्र सरकार को हमारी मांग पूरी करनी होगी। -**फारूक अब्दुल्ला**, पूर्व सीएम, जम्मू-कश्मीर

यूक्रेन तट पर मर्चेंट जहाज पर रूसी मिसाइल का हमला

भारत के 4 नाविकों की मौत पर भारत सख्त, रूसी राजनयिक को किया तलब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच समुद्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर एक बेहद दुखद और गंभीर घटना सामने आई है। यूक्रेन के तट के पास ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे एक नागरिक मर्चेंट जहाज पर हुए रूसी हमले में चार भारतीय नाविकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य भारतीय नाविक गंभीर रूप से घायल है। इस घटना पर भारत ने अत्यंत कड़ा रुख अपनाते हुए मंगलवार को नई दिल्ली में रूस के चार्ज डी अफेयर्स (सीडीए) को विदेश मंत्रालय में तलब किया और अपनी सख्त नाराजगी दर्ज कराई। घटना 19 जुलाई की शाम की है, जब गिनी-बिसाऊ के झंडे वाला कमर्शियल जहाज एमवी गोल्डन लियो यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से आगे बढ़ रहा था। यूक्रेनी वायु सेना और विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस जहाज पर रूसी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया।

घटना के समय जहाज पर कुल 17 क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें पांच भारतीय नागरिक भी शामिल थे। हमले की चपेट में आने से चार भारतीयों की जान चली गई। रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से समुद्री व्यापारिक मार्ग पर भारतीय नाविकों की मौत का यह पहला दुखद मामला है। विदेश मंत्रालय ने रूसी राजनयिक से स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक निर्दोष और नागरिक कमर्शियल जहाज को निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर इस हमले की तीव्र निंदा की और कहा कि बेगुनाह आम नागरिकों और क्रू सदस्यों की जान खतरे में डालना बेहद निंदनीय है। अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र या समुद्री व्यापारिक मार्गों पर नेविगेशन और व्यापार की आजादी में बाधा डालना किसी भी स्थिति में न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता।

कमर्शियल शिप पर हमला, भारत ने रूस को सुनाई खरी-खरी

एमईए ने कहा क्रू सदस्यों की जान खतरे में डालना निंदनीय

भारत ने कहा इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होना चाहिए

राजनायिक वाहन से उतरे सीधे दफ्तर में प्रवेश कर गए, चित्र उसी अवसर का

जहाज पर तीन क्रूज मिसाइलों से हुआ था हमला

यूक्रेनी नौसेना के अनुसार, रूस ने गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले जहाज पर तीन क्रूज मिसाइलों से हमला किया। इस जहाज पर भारत और सीरिया के क्रू सदस्य सवार थे। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि रूसी क्रूज मिसाइलों के हमले से जहाज में आग लग गई। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस घटना में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई और एक व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। एमवी गोल्डन लियो एक जनरल कार्गो शिप था और घटना के समय इस पर 17 क्रू मेंबर सवार थे। यूक्रेन के सीपोर्ट अथॉरिटी ने सोमवार को बताया कि मरने वालों में गोल्डन लियो के नौ क्रू मेंबर और पोर्ट का एक यूक्रेनी पायलट शामिल था।

जानकारी के अनुसार, एमवी गोल्डन लियो मुंबई की कंपनी ओशन ग्रेस शिपिंग लिमिटेड की है। हाल के हफ्तों में रूस के हमले तेज होने के कारण ओडेसा इलाके और यूक्रेन के समुद्री रास्ते से सामान भेजने वाले आखिरी बचे कॉरिडोर पर लगातार हमले हो रहे हैं। मॉस्को ने उन विदेशी झंडे वाले कार्गो जहाजों पर हमला किया है जो रोमानिया और बुल्गारिया के तट से होते हुए तुर्की तक सामान ले जाते हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने इस हमले की पुष्टि की है। सिबिहा ने कहा, ?एक आम नागरिक जहाज। एक अंतरराष्ट्रीय क्रू। एक ऐसा रास्ता जो दुनिया की खाद्य सुरक्षा में मदद करता है। पुतिन को एक और निशाना मिल गया।

भारत हमेशा ही कूटनीति का पक्षधर रहा है

विदेश मंत्रालय ने इस दुखद हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय नाविकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और अस्पताल में भर्ती घायल भारतीय नाविक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। इसके साथ ही, यूक्रेन स्थित भारतीय मिशन इस पूरी स्थिति पर चौबीसों घंटे बारीकी से नजर बनाए हुए है। भारतीय दूतावास प्रभावित परिवारों और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है ताकि पीड़ित परिवारों को हर संभव कूटनीतिक और मानवीय सहायता जल्द से जल्द पहुंचाई जा सके। भारत ने हमेशा से ही रूस-यूक्रेन विवाद को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सुलझाने की वकालत की है। हालांकि, अपने नागरिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि व्यापारिक जहाजों और आम नागरिकों को युद्ध का शिकार बनाना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत की बढ़ सकती है टेंशन

अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अध्यक्ष बने पाक मूल के डॉ. आसिफ

डॉ. आसिफ भारत विरोधी बयानों के लिए कुख्यात हैं

डॉ. आसिफ महमूद

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान मूल के डॉक्टर आसिफ महमूद को यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह आयोग अमेरिका की संघीय सरकार के अंतर्गत काम करता है, जिसमें दोनों पार्टियों रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक के सदस्य शामिल होते हैं। हालांकि, इसके अध्यक्ष के रूप में डॉ आसिफ महमूद की नियुक्ति को भारत के लिए बड़ा झटका बताया जा रहा है। आसिफ महमूद खुले तौर पर भारत का विरोध करते रहे हैं। सोमवार को एक बयान में, यूएससीआईआरएफ ने महमूद को सर्वसम्मति से पैनल का अध्यक्ष और सीसी हील को 2026-27 कार्यकाल के लिए उपाध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। महमूद एक प्रैक्टिसिंग पल्मोनोलॉजिस्ट (फेफड़ों के विशेषज्ञ), मानवाधिकार कार्यकर्ता और समाजसेवी हैं। आयोग की वेबसाइट पर कहा गया है, दुनिया भर के संकटग्रस्त इलाकों - जिनमें कश्मीर, टिग्रे और संघर्ष वाले अन्य क्षेत्र शामिल हैं - में उनके वैश्विक वकालत के काम और मानवीय प्रयासों ने लोगों की जान बचाने में मदद की है। कैलिफोर्निया मेडिकल बोर्ड के दो बार सदस्य रहे डॉ महमूद मरीजों के अधिकारों की पुरजोर वकालत करते हैं और सभी समुदायों के लिए बेहतर मेडिकल कवरेज सुनिश्चित करने की दिशा में काम करते हैं।

भारत विरोधी आते रहे बयान

डॉ.आसिफ और यूएससीआईआरएफ का भारत विरोधी होने का इतिहास है। दोनों ने ही कई मौकों पर भारत के खिलाफ जमकर गलतबयानी की है। डॉ आसिफ महमूद कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान में मानवाधिकारों के हालात पर उनकी जुबान बंद रहती है। वहीं, यूएससीआईआरएफ कई बार अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत को विशेष चिंता वाला देश घोषित कर चुका है। भारत ने हर बार यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट को मनगढ़ंत, भ्रामक और जानबूझकर बदमाशी बताते हुए खारिज किया है। और बार इस भ्रामक तथ्यों की पोल भी खुलती रही है।

अब अमेरिका ने माना-ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल

धमाके बीती रात भी जारी रहे

ध्यान में रखते हुए किया गया। उधर अमेरिका और ईरान के बीच लगातार हमले जारी हैं। ईरान ने सोमवार को उन देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान के 9 शहरों पर हवाई हमले किए। ईरानी मीडिया के मुताबिक अबदानान, बंदर अब्बास, बंदर लेंगेह, बुशेहर, चाबहार, केश्म द्वीप, सीरिक, शीराज और कोनारक को निशाना बनाया गया। 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान युद्ध में अब तक 17 अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं, जबकि 430 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस महीने शुरू हुए अमेरिकी हमलों में अब तक कम से कम 50 लोगों की मौत और 517 लोग घायल हुए हैं।

सऊदी अरब पहुंचे डोभाल

विदेश मंत्री फैसल से मिलकर ऊर्जा एवं सुरक्षा पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ रियाद

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सऊदी अरब का महत्वपूर्ण दौरा किया। रियाद में उन्होंने सऊदी विदेश मंत्री शहजादे फैसल बिन फरहान से मुलाकात कर रणनीतिक संबंधों, ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर गहन चर्चा की। इस वर्ष डोभाल की यह तीसरी सऊदी यात्रा है। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यमन के हूती विद्रोहियों ने बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में सऊदी जहाजों के खिलाफ नाकाबंदी की धमकी दी है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति और वैश्विक व्यापार बाधित होने की आशंका बढ़ गई है। सऊदी अरब ने स्पष्ट किया है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत अपने जहाजों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भारत के लिए यह घटनाक्रम बेहद संवेदनशील है क्योंकि सऊदी अरब भारत का प्रमुख कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है और वहां 26 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं।

मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं साइबर अपराधों के प्रति किया गया जागरूक

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है।

पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

सोनभद्र। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के सभागार में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में पीएम-राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रेम नाथ, क्षेत्राधिकारी परिवहन राज सोनकर, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुमन कुमार, प्रभारी निरीक्षक यातायात नरेन्द्र कुमार सिंह, विभिन्न थानों के उपनिरीक्षक, एनआईसी के डीआरएम मो. सैफ, चिन्हित निजी चिकित्सालयों के कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय तिवारी आ० राधिका प्रसाद तिवारी, उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम-जरही, जिला सूरजपुर (छ०ग०) के द्वारा स्वय के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला-केदारपुर शीट नं. 02 स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 255/3, 256/4 रकबा क्रमशः 0.003, 0.014 हे० भूमि नक्शा संशोधन किये जाने हेतु मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र पेश किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/07/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ राजपत्र दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं शोमित गोंड (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी मोहनी गोंड, शहर/गाँव-करमीटिकरा तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम शोमित गोंड (पुराना नाम) से बदल कर शोभित गोंड (नया नाम) रख लिया है।

शोमित गोंड

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०/अ-63/2025-26
प्रस्तावित नक्शा बटांकन प्रकाशन

आवेदिका श्रीमती अनुपा ओडिल कुजूर पत्नी सुशील कुमार कुजूर, जाति उरांव, निवासी ग्राम धोबीपारा गांधीनगर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा कमांक 336/1, 336/3, 336/5 का नक्शा सुधार / दुरूस्त कराये जाने बावत आवेदन न्यायालय में पेश किया गया है। हल्का पटवारी व राजस्व निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावित नक्सा का अंतिम प्रकाशन किया जा रहा है। अतः उक्त नक्शा बटांकन में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/07/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 10/7/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका राकेश कुमार अग्रवाल आ०/पति रतन लाल अग्रवाल जाति, निवासी सत्तीपारा रानीसत्ती मंदिर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला बाबूपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/200 रकबा 1690 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-28/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-13/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/अ-20(3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण संतोषी बाई राजन पति स्व० शंकरलाल राजन, अभिनव राजन, द्विजेश मरकाम, सोमेश्वरी राजन आ०स्व० शंकरलाल राजन सभी निवासी ग्राम नमनाकला थाना गांधीनगर तह० अम्बिकापुर, जिला सरगुजा द्वारा अपने संयुक्त स्वामित्व की शीट नम्बर 13 मोहल्ला नमनाकला नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 243/39 रकबा 233.70 वर्गमीटर भूमि को अनावेदक/केता रामनाथ कुशवाहा आ० सत्यनारायण कुशवाहा, निवासी मकान नं० 38 ग्राम सीधमा ककना, तह० राजपुर जिला बलरापुर छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 22/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगांव
ईश्तहार
रा०प्र०कं० 280 ब - 121/2025-2026

आम जनता ग्राम भटगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक भुनेश्वर आ. स्व.बैजनाथ जाती अहीर निवासी ग्राम भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा अपने माता फुलकुमारी का मृत्यु दिनांक 20/11/2004 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा आपने माता का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुलक अदा कर चालान की प्रति, सपथ पत्र ,अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनाक 28/07/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद् ?नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी का
र्यपालिक भटगांव जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं बिफिन केरकेट्टा (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी सिलास केरकेट्टा, शहर/गाँव- मठपहाड कुकरीचोली, तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम बिफिन केरकेट्टा (पुराना नाम) से बदल कर विपिन किशोर केरकेट्टा (नया नाम) रख लिया है।

बिफिन

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं निषा पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री / पत्नी संतराम नाम, गाँव / शहर पंगसुवा तहसील-पत्थलगांव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम निषा (पुराना नाम) से बदल कर निषा नाग (नया नाम) रख लिया है। मैं संतराम नाग (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री अमर साय गाँव / शहर पंगसुवा तहसील-पत्थलगांव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम निषा (पुराना नाम) से बदल कर निषा नाग (नया नाम) रख लिया है।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगांव
ईश्तहार
रा०प्र०कं० 279 ब - 121/2025-2026

आम जनता ग्राम भटगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक भुनेश्वर आ. स्व.बैजनाथ जाती अहीर निवासी ग्राम भटगांव तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा अपने पिता बैजनाथ का मृत्यु दिनांक 17/03/2008 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा आपने पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुलक अदा कर चालान की प्रति, सपथ पत्र ,अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनाक 28/07/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद् ?नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
कार्यपालिक भटगांव जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० / अ-20(3)/2025-26
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्ण कुमार अग्रवाल उर्फ किशन अग्रवाल आ० स्व० चिरंजीलाल अग्रवाल, निवासी बडापानी, तहसील कोरबा, जिला कोरबा द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर - 03 मोहल्ला- सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 831/3 रकबा 0.04 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता अजय अग्रवाल आ० कृष्ण अग्रवाल, निवासी सत्तीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के पास रू0 15,00,000/- पन्द्रह लाख रू0 में बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा प्रतिलिपि सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 31/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती प्रभा शर्मा पत्नी नरेश शर्मा, निवासी नेहरू वार्ड सत्तीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-02 मोहल्ला-सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 680/4 रकबा 0.02 1/2 एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेस खसरा की प्रति सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक - 30/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 14/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका कृष्ण कुमार अग्रवाल आ०/पत्ति चिरंजीलाल अग्रवाल जाति निवासी बड़ापानी, तहसील कोरबा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला सत्तीपारा, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 831/3 रकबा 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-03/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-18/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं बिजेता कुमारी पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी आशिष गाँव/शहर करार्घाट डुमरबहार, तहसील पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-बिजेता कुमारी (पुराना नाम) से बदल कर बिजिता केरकेट्टा (नया नाम) रख लिया है। मैं आशिष (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री भजन सिंह. गाँव/शहर करार्घाट डुमरबहार, तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम- बिजेता कुमारी (पुराना नाम) से बदल कर बिजिता केरकेट्टा (नया नाम) रख लिया है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक हिमांशु मिंज आ.प्रबोध मिंज जाति उरांव निवासी साई मंदिर रोड भगवानपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 426/1, 427/1 रकबा 0.057, 0.053 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा दिनांक 08.01.2026 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 05/08/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः 13/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क०/अ-27/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक टीबु आ. जगरनाथ व अन्य, निवासी ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम रजपुरीखुर्द स्थित भूमि खसरा न0 234/1, 235/2, 236 कुल खसरा नंबर 03 कुल रकबा 0. 239 हे० भूमि का अनावेदक सखा राम आ. स्व० गुलाब, निवासी ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के मध्य खाता विभाजन कराने बाबत आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 24/07/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका राजकुमारी दास पति स्व. ईश्वर चन्द्र, उम्र-56 वर्ष, निवासी नेहरूवार्ड सत्तीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के स्व. पति ईश्वर चंद्र पिता स्व. चमरू दास के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर मोहल्ला सत्तीपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 637/1, 638/4 रकबा क्रमशः 0.01 1/2, 0.06 एकड़ भूमि है। भूधारक ईश्वर चन्द्र पिता स्व. चमरू दास की मृत्यु दिनांक 18.09.2025 को हो गई है। तत्पश्चात आवेदिका द्वारा आवेदित भूमि से अपने पति स्व. ईश्वर चन्द्र आ.स्व. चमरू दास का नाम विलोपित कर स्वयं सहित अपने पुत्रों के नाम से फौती नामांतरण किये जाने हेतु स्व. ईश्वर चंद्र के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-31/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 16/07/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

हेल्थ टिप्स

नींद की कमी खतरनाक, पर बहुत ज्यादा नींद आना भी ठीक नहीं

विशेषज्ञों के अनुसार 18 से 64 वर्ष के स्वस्थ वयस्कों के लिए प्रतिदिन 7 से 9 घंटे की नींद पर्याप्त मानी जाती है। नियमित रूप से 9 घंटे से अधिक सोना समस्या का संकेत हो सकता है। जब भी बात अच्छी सेहत की होती है तो उसमें पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम के साथ विशेषज्ञ अब भरपूर नींद लेने को भी जरूरी बताते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को रोज रात में 7 से 9 घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए। यदि आपकी नींद पूरी नहीं होती तो दिनभर नींद आती रहती है और चिड़चिड़ापन, थकान जैसी समस्या बनी रहती है। अक्सर नींद पूरी न होने के कारण थकान, सिरदर्द, याददाश्त में कमी या काम में ध्यान न लगने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। हम सभी ने यह तो खूब सुना है कि कम नींद लेने से शरीर थक जाता है, दिमाग सुस्त पड़ जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा सोने लगे तो क्या होगा? अगर कोई रोज 10-12 घंटे तक सोता है तो इसका क्या असर होता है?

बहुत ज्यादा तो नहीं सो रहे आप?

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार 18 से

अधिक उम्र के स्वस्थ वयस्कों के लिए प्रतिदिन 7 से 9 घंटे की नींद पर्याप्त मानी जाती है। हालांकि यदि कोई व्यक्ति अक्सर 10 घंटे या उससे अधिक सोता है, फिर भी थका हुआ महसूस करता है या दिन में बार-बार नींद आती है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं और बीमारी से उबर रहे लोगों में नींद की जरूरत अधिक हो सकती है। लेकिन स्वस्थ वयस्क में लंबे समय तक अत्यधिक नींद कई समस्याओं का संकेत हो सकता है।

ज्यादा सोने से क्या होता है?

अध्ययनों में लंबे समय तक जरूरत से ज्यादा सोने को सेहत के लिए नुकसानदायक बताया गया है। ज्यादा सोने वाले लोगों में शारीरिक गतिविधि कम हो सकती है, जिससे वजन बढ़ने और मेटाबॉलिज्म प्रभावित होने की संभावना रहती है। कुछ लोगों को सिरदर्द, सुस्ती, ध्यान लगाने में कठिनाई और दिनभर थकान भी महसूस हो सकती है। यदि अत्यधिक नींद आपकी दिनचर्या और कामकाज को प्रभावित कर रही है, तो डॉक्टरी सलाह जरूर ले लें।

इन खतरों को भी जानिए

बहुत ज़्यादा नींद आना (हाइपरसोमनिया)

अक्सर किसी छिपी हुई मेडिकल समस्या, नींद की खराब क्वालिटी या नींद से जुड़ी बीमारी का संकेत होता है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (सांस लेने में रुकावट), नार्कोलेप्सी (न्यूरोलॉजिकल बीमारी) और रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम जैसी स्थितियां आपकी नींद में रुकावट डालती हैं, जिससे आपको ज्यादा नींद आती है। नींद का अनियमित समय (जैसे शिफ्ट में काम करना), ज्यादा तनाव या बहुत ज्यादा कैफीन और शराब का सेवन भी इसका कारण हो सकती है। हाइपोथायरायडिज्म, डायबिटीज और न्यूरोलॉजिकल बीमारियां भी बहुत ज्यादा नींद आने का कारण हो सकता है।

किसी बीमारी का संकेत हो सकता है?

अत्यधिक नींद किसी अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती है। यदि बहुत ज्यादा सोने के साथ तेज खर्राटे, सांस रुकने की शिकायत, याददाश्त में कमी, अचानक वजन बढ़ने, जैसी समस्याएं हों, तो इसका इलाज कराएं।

'पॉश्चर' खराब होने से पड़ सकती है जान जोखिम में

गलत बैठने और चलने से बचना होगा हर हाल में आपको हो सकती है गंभीर शारीरिक समस्याएं

अक्सर लोग अपने ऑफिस या वर्कप्लेस पर गलत पॉश्चर (मुद्रा) में बैठकर काम करते हैं। बहुत से लोगों को लगता है कि इससे सिर्फ उनका अपियरेंस (दिखावट) प्रभावित होगा, लेकिन ये कई गंभीर बीमारियों का कारण भी हो सकता है। आइए, इस लेख में हम इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

आज की आधुनिक जीवनशैली में, जहां घंटों कंप्यूटर या स्मार्टफोन के सामने गर्दन झुकाकर स्क्रीन पर लंबे समय तक देखने का चलन बढ़ गया है। ऐसे में 'पॉश्चर' यानी हमारे शरीर की मुद्रा का बिगड़ना एक आम समस्या बन गई है। अधिकतर लोग इसे सिर्फ सौंदर्य या आत्मविश्वास से जोड़कर देखते हैं, लेकिन सच तो यह है कि गलत पॉश्चर सिर्फ आपकी चाल या बैठने के तरीके को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि यह कई गंभीर शारीरिक समस्याओं को जन्म दे सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक गलत मुद्रा में बैठना, खड़े होने या चलने से हमारे मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जिससे न केवल लगातार मांसपेशियों में दर्द होता है, बल्कि अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा होती हैं। यह स्थिति धीरे-धीरे रीढ़ की हड्डी की प्राकृतिक संरचना को भी बदल सकती है। इसलिए यह समझना बेहद जरूरी है कि हमारा पॉश्चर हमारे समग्र स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है और कौन-सी गंभीर समस्याएं इससे जुड़ी हुई हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

पीठ और गर्दन में दर्द

लंबे समय तक झुककर बैठना जैसे लैपटॉप या फोन का उपयोग करने से रीढ़ और गर्दन पर दबाव डालता है। इससे लोअर बैक पेन, सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस और मांसपेशियों में तनाव होता है। जर्नल ऑफ फिजिकल थेरेपी साइंस के अनुसार, ज्यादातर लोग गलत पॉश्चर के कारण पीठ दर्द से पीड़ित हैं। इसलिए हर 30 मिनट में सीधे बैठें और स्ट्रेच करें। कुर्सी पर रीढ़ को सहारा देने वाला तकिया रखें। गर्दन को सीधा रखकर स्क्रीन को आंखों के लेवल पर सेट करें।

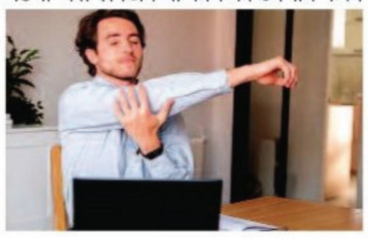

रीढ़ की हड्डी में विकृति

गलत पॉश्चर, जैसे कूबड़ निकलना (Kyphosis) या रीढ़ का टेढ़ापन (Scoliosis), हड्डियों और जोड़ों की संरचना को नुकसान पहुंचाता है। यह विशेष रूप से बच्चों और किशोरों में ज्यादा देखा जाता है, जो लंबे समय तक झुककर पढ़ते या गेम खेलते हैं। इससे बचने के लिए योग और पिलाटे जैसे व्यायाम रीढ़ को मजबूत करते हैं। तैराकी या बैक स्ट्रेंथनिंग एक्सरसाइज करें। बच्चों को सही पॉश्चर की आदत डालें।

पाचन और श्वसन समस्याएं

झुककर बैठने से फेफड़े और पेट पर दबाव पड़ता है, जिससे सांस लेने में तकलीफ और पाचन संबंधी समस्याएं, जैसे एसिड रिफ्लक्स या कब्ज, हो सकती हैं। गलत पॉश्चर फेफड़ों की क्षमता को प्रभावित कर सकता

है। इसलिए सीधे बैठें ताकि फेफड़े पूरी तरह खुल सकें। खाने के बाद 10 मिनट टहलें। गहरी सांस लेने की प्रैक्टिस करें।

बचाव के उपाय

खराब पॉश्चर से बचना चाहते हैं? कुछ आसान उपाय आपकी मदद कर सकते हैं! ऑफिस में एर्गोनॉमिक कुर्सी और डेस्क चुनें, और स्क्रीन को आंखों के लेवल पर रखें ताकि आपकी रीढ़ पर जोर न पड़े। रोजाना 20-30 मिनट स्ट्रेचिंग करें या कैट-काउ और चाइल्ड पोज जैसे योग आसनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें, ये आपके पॉश्चर को दुरुस्त रखेंगे। हर घंटे चेक करें कि आप कैसे बैठे या खड़े हो रहे हैं। ऑफिस में काम करते समय कंधों को पीछे रखें और रीढ़ को सीधी रखें। अगर दर्द या तकलीफ बार-बार हो, तो बिना देर किए फिजियोथेरेपिस्ट से मिलें।

बढ़ती उम्र के भी दिखना चाहते हैं जवां तो आज से ही डाइट में कर लें बदलाव

अक्सर ऐसा होता है कि बहुत कम उम्र में ही कुछ लोगों के त्वचा पर झुर्रियां पड़ जाती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन उन्हीं में एक प्रमुख कारण है खान-पान और जिवनशैली। जी हां, अगर आपका खानपान अच्छा है तो आप 55 की उम्र में भी जवां दिख सकते हैं। आइए इस लेख में जानते हैं कि इसके लिए डाइट में किन चीजों को शामिल करना चाहिए।

बढ़ती उम्र के साथ शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रखना, त्वचा की प्राकृतिक चमक बरकरार रखना और समग्र स्वास्थ्य को उत्तम रखना एक बड़ी चुनौती बन सकती है। अक्सर लोग सोचते हैं कि 50 के बाद ढलती उम्र के संकेत स्वाभाविक हैं, जो सच भी है, लेकिन अगर सही खानपान और एक संतुलित जीवनशैली अपनाकर जिया जाए तो आप 55 की उम्र में भी जवां और ऊर्जावान दिख सकते हैं। यह सिर्फ बाहरी सुंदरता की बात नहीं है, बल्कि अंदरूनी स्वास्थ्य को भी बनाए रखने की है।

कुछ ऐसे विशेष खाद्य पदार्थ हैं, जो प्रकृति का वरदान हैं।

ये न सिर्फ हमारे शरीर को पोषण देते हैं, बल्कि हमें स्वस्थ्य और हेल्दी भी रखते हैं। ये खाद्य पदार्थ एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन्स और जरूरी खनिजों से भरपूर होते हैं, जो हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। आइए इस लेख में हम ऐसे ही चार खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं, जिन्हें आज से ही अपनी डाइट में शामिल करके आप लंबे समय तक जवां और स्वस्थ रह सकते हैं।

बादाम और नट्स

बादाम, अखरोट, और काजू जैसे नट्स विटामिन ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड, और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं। ये त्वचा को नमी प्रदान करते हैं, झुर्रियों को कम करते हैं, और हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। रोजाना सीमित मात्रा में बादाम और नट्स खाने से त्वचा में चमक आती है और मस्तिष्क की कार्यक्षमता बढ़ती है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

पालक, केल, और मेथी जैसी हरी सब्जियां एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन A, C, और K का खजाना हैं। ये उम्र बढ़ने के लक्षणों जैसे झुर्रियां और काले धब्बों को कम करती हैं। पालक में मौजूद ल्यूटिन आंखों की रोशनी को बनाए रखता है, जबकि कैल्शियम हड्डियों को मजबूत करता है। इन्हें सलाद, सूप, या जूस के रूप में डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बेरीज

स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, और रास्पबेरी जैसे बेरीज एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन C से भरपूर होते हैं, जो त्वचा को जवां रखने में मदद करते हैं। ये कोलेजन उत्पादन को बढ़ाते हैं, जिससे त्वचा लचीली और चमकदार रहती है। बेरीज में मौजूद फ्लेवोनॉइड्स मस्तिष्क स्वास्थ्य को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। इन्हें नाश्ते में दही के साथ या स्मूदी के साथ ले सकते हैं।

सडकों पर संग्राम

हमने डॉक्टरों के कारखाने खुलते और कारोबार करते देखे हैं। हमने नेताओं के मेडिकल कॉलेज भी देखे हैं। नकली डॉक्टर भी देखे हैं। फर्जी लोगों ने परीक्षाएं भी दी हैं। पेपर लीक भी होते रहे हैं, आत्महत्याएं मनःस्थिति से जुड़ी हैं। किसी सामाजिक, राजनीतिक, पेशेवर समस्या का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन हमने इन संवेदनशील मुद्दों पर युवा, छात्र आंदोलन भडकते नहीं देखे। इस साल भी 11 लाख से अधिक युवाओं ने नीट परीक्षा पास की है, लेकिन उनमें से 9 लाख से अधिक युवाओं को मेडिकल से जुड़े किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं मिलेगा। कारण, भारत में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 1.36 लाख से कुछ अधिक ही सीटें हैं। उसके बाद बीडीएस, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी आदि में भी करीब 80,000 सीटें हैं। क्या व्यवस्था है कि युवा ने नीट भी पास कर ली और वह किसी भी तरह डॉक्टर नहीं बन पाया! शेष 9 लाख से अधिक सफल युवा क्या एकदम असफल साबित हो जाएंगे? तो हमारे युवाओ! हिंसक आंदोलन क्यों करते हो? ये तो बंजर हैं! आत्महत्याएं इस व्यवस्था का समाधान नहीं हैं। देश की आजादी के कुछ साल बाद ही पेपर लीक की घटनाएं सामने आने लगी थीं, शिक्षा-प्रणाली में आज भी विसंगतियां हैं, शिक्षा मंत्री सवालिया होते रहे हैं, लेकिन अनशन कितने हुए? दरअसल राजधानी दिल्ली में आंदोलनजीवी, प्रदर्शनकारियों और उत्पातियों की एक पेशेवर जमात है। उसके चेहरे शाहीन बाग, अन्ना हजारे-केजरीवाल, महिला पहलवानों के प्रदर्शन और किसान आदि आंदोलनों में भी दिखाई दिए। वामपंथी तर्ज पर नारे लगाना और डफली बजाना इनकी खास पहचान है। सोनम वांगचुक के अनशन के दौरान भी यह जमात सक्रिय रही। उन्हें कौन फंडिंग करता है? मोदी मर जा, शाह मर जा, मोदी को पीटेंगे, अनुच्छेद 370 और आजादी, आजादी सरीखे नारों का शिक्षा की विसंगतियों और नीट पेपर लीक से क्या सरोकार है? यह उपद्रवियों की पेशेवर जमात का खास हुनर है, उनकी पेशेवर ट्रेनिंग है। बीते सोमवार, 20 जुलाई, को संसद सत्र के पहले ही दिन, संसद भवन के 1.5 किमी. के दायरे में, हजारों युवाओं की ऐसी भीड़ आक्रोशित हो गई कि संसद भवन के सभी मोटे-बड़े मेन गेट बंद करने पड़े।

हजारों पुलिसकर्मियों के अलावा, अर्द्धसैनिक बलों, रैपिड एक्शन फोर्स, पानी की तेज बौछार मारने वाले बल के जवानों को सडकों पर उतारना पड़ा। देश की राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला एकदम सामने आ गया। बेशक भारत सबसे युवा राष्ट्र है। उसकी करीब 65 फीसदी आबादी की औसतन उम्र 35 साल है। 15-29 साल के आयु-वर्ग के 56 करोड़ से अधिक युवा हैं। वे भारत की ताकत और भविष्य हैं, लिहाजा किसी भी सूरत में उनका भरोसा टूटना नहीं चाहिए। लेकिन जो भीड़ संसद भवन में घुसना चाहती थी, वह वामदलों, कांग्रेस, आप के छात्र-संगठनों के पेशेवर चेहरे थे। अचानक मनीष सिसोदिया, संजय सिंह सांसद सरीखे आप नेता और सांसद डिंपल यादव के नेतृत्व में सपा का हुजूम सडकों पर कैसे आ गया? यकीनन यह राजनीतिक कवायद थी। अनशन और संसद चलो का यह कथित आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक है, क्योंकि उनकी पहली मांग शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा है। वांगचुक की भी इच्छा है कि विभिन्न सांसद और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि अस्पताल में आकर उनसे मिलें और उनकी मांगों पर आश्वासन दें। बहरहाल यदि यह शैक्षिक प्रदर्शन था, तो किन युवाओं ने पथराव किए, नतीजतन 5 आईपीएस अधिकारियों समेत 118 पुलिसकर्मी घायल हुए। यह कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है। बेशक 60 से अधिक प्रदर्शनजीवी भी घायल हुए हैं। करीब 70 लोग हिरासत में लिए गए हैं।

सडकों पर संग्राम

हमने डॉक्टरों के कारखाने खुलते और कारोबार करते देखे हैं। हमने नेताओं के मेडिकल कॉलेज भी देखे हैं। नकली डॉक्टर भी देखे हैं। फर्जी लोगों ने परीक्षाएं भी दी हैं। पेपर लीक भी होते रहे हैं, आत्महत्याएं मनःस्थिति से जुड़ी हैं। किसी सामाजिक, राजनीतिक, पेशेवर समस्या का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन हमने इन संवेदनशील मुद्दों पर युवा, छात्र आंदोलन भडकते नहीं देखे। इस साल भी 11 लाख से अधिक युवाओं ने नीट परीक्षा पास की है, लेकिन उनमें से 9 लाख से अधिक युवाओं को मेडिकल से जुड़े किसी भी कोर्स में दाखिला नहीं मिलेगा। कारण, भारत में सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 1.36 लाख से कुछ अधिक ही सीटें हैं। उसके बाद बीडीएस, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी आदि में भी करीब 80,000 सीटें हैं। क्या व्यवस्था है कि युवा ने नीट भी पास कर ली और वह किसी भी तरह डॉक्टर नहीं बन पाया! शेष 9 लाख से अधिक सफल युवा क्या एकदम असफल साबित हो जाएंगे? तो हमारे युवाओ! हिंसक आंदोलन क्यों करते हो? ये तो बंजर हैं! आत्महत्याएं इस व्यवस्था का समाधान नहीं हैं। देश की आजादी के कुछ साल बाद ही पेपर लीक की घटनाएं सामने आने लगी थीं, शिक्षा-प्रणाली में आज भी विसंगतियां हैं, शिक्षा मंत्री सवालिया होते रहे हैं, लेकिन अनशन कितने हुए? दरअसल राजधानी दिल्ली में आंदोलनजीवी, प्रदर्शनकारियों और उत्पातियों की एक पेशेवर जमात है।

कार्नर न्यूज

बच्चों की सही परवरिश आज माता-पिता के लिए सबसे बड़ी चुनौती

बड़ों का सम्मान कर बच्चों को दें सीख तीन पीढ़ियों के बीच रिश्ता होगा मजबूत

टीवी पर अपना पसंदीदा प्रोग्राम देखते वक्त आपने एक विज्ञापन जरूर देखा होगा, जिसमें मल्टीनेशनल कंपनी में बड़े पद पर काम करने वाली एक महिला जब ऑटो से ऑफिस के गेट पर उतरती है तो बॉस उसे देखकर पूछता है कि ऑटो से क्यों आई हो? तब वह बताती है कि यह मेरे पिता जी हैं। ऐसा कहते वक्त उसकी आंखें आत्मविश्वास और गर्व से भरी नजर आती हैं। यह आत्मविश्वास किसी बच्चे में तभी नजर आता है, जब वह अपने माता-पिता का दिल से सम्मान करता है। माता-पिता बच्चे के लिए मार्गदर्शक, शिक्षक और संरक्षक होते हैं। वे बच्चों को प्यार भरा सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण देकर जीवन के लिए तैयार करते हैं। लेकिन क्या आप उनका धन्यवाद करते हैं? अगर नहीं तो उनके द्वारा किए गए योगदान, प्रेम, त्याग और समर्पण के लिए आभार व्यक्त करें। आपके आभार प्रकट करने से उन्हें खुशी होगी, आपको सुकून मिलेगा और आपके बच्चों को एक सीख देगा।

तीन पीढ़ियों का मजबूत रिश्ता

पेरेंट्स का आभार और धन्यवाद करके आप उन्हें कुछ स्पेशल महसूस करवा सकते हैं। भावनात्मक रूप से मजबूत पारिवारिक संबंधों को बढ़ावा देने और भावी पीढ़ी को पोषित करने का यह एक तरीका है। जब आप कोई आयोजन परिवार के साथ रखते हैं और बच्चा आपको पेरेंट्स के साथ प्रेम, स्नेह, सम्मान और आभार जताते हुए देखता है तो वह भी अपने व्यवहार में आपके संस्कारों को समाहित करने का प्रयास करता है। असल में, बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। जब वे यह देखते हैं कि उनके माता-पिता अपने बुजुर्गों की देखभाल कर रहे हैं, उन्हें आदर दे रहे हैं तो उनके भीतर भी करुणा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का भाव विकसित होता है। इससे बच्चों का व्यवहार न सिर्फ माता-पिता के प्रति, बल्कि समाज और परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति भी नरम और सहयोगपूर्ण बनता है। वे समझते हैं कि बुजुर्गों की सेवा कोई बोझ नहीं, बल्कि एक अवसर है प्रेम और कृतज्ञता जताने का। इस तरह की शिक्षा उन्हें स्कूल या किताबों से नहीं, बल्कि घर के माहौल और आपके व्यवहार से मिलती है। आपका हर छोटा प्रयास, जैसे- दवा देना, बात करना और उन्हें समय देना बच्चों के मन में गहरी छाप छोड़ता है। इस प्रकार जब आप अपने माता-पिता के लिए कुछ करती हैं तो अपने बच्चों को भी एक अच्छा इन्सान बना रही होती हैं, जिससे वे भावनाओं और रिश्तों की अहमियत समझते हैं।

हाउस पार्टी बेहतरीन विकल्प

यह सच है कि बच्चे बड़े होकर माता-पिता से प्यार जताने में झिझकने लगते हैं, तो माता-पिता भी कह देते हैं, 'क्या ही जरूरत है।' लेकिन सच यह है कि माता-पिता को भी प्यार की जरूरत होती है और जब आप उनके लिए कुछ करती हैं तो वे बहुत खुश होते हैं। अपने आस-पास के चार लोगों को बताते हैं और आप पर गर्व महसूस करते हैं। ऐसे में अपने माता-पिता के लिए एक हाउस पार्टी प्लान कर सकते हैं। इस पार्टी में आप उनके बरसों पहले बिछड़े दोस्तों या परिवार के सदस्यों को आमंत्रित कर सकती हैं।

हाउस पार्टी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इस जगह आप होटल की अपेक्षा सभी के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकती हैं, क्योंकि यहां पर किसी भी प्रकार की कोई बंदिश नहीं होती।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना कराने जिले के किसानों से कलेक्टर एवं कृषि विभाग ने की अपील

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के किसानों से फसल बीमा कराने की अपील की गई है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने किसान से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों की आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्राकृतिक आपदाओं से फसल को होने वाले नुकसान की भरपाई इस योजना के माध्यम से संभव है, इसलिए सभी ऋणी एवं अऋणी किसान समय-सीमा के भीतर अपना नामांकन अवश्य कराएं। उन्होंने विशेष रूप से आधार प्रमाणीकरण को अनिवार्य बताते हुए किसानों से बैंक खातों में आधार अद्यतन कराने की भी अपील की, ताकि बीमा दावे के भुगतान में किसी प्रकार की बाधा न आए। उप संचालक कृषि सुश्री सम्पदा पैकरा ने बताया कि जिले में ग्राम स्तर पर धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का एवं सोयाबीन तथा राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर मूंगफली, तुअर, मूंग, उड़द, कोदो, कुटकी एवं रागी की फसलें अधिसूचित की गई हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को बीमित राशि का मात्र 2 प्रतिशत प्रीमियम जमा करना होगा, शेष राशि का वहन केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। उन्होंने किसानों को यह भी सलाह दी कि किसी भी स्थानीय आपदा या फसल कटाई उपरांत नुकसान की स्थिति में 72 घंटे के भीतर संबंधित बैंक, सीएससी, कृषि/राजस्व कार्यालय अथवा टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना अवश्य दें, जिससे समय पर नुकसान का आकलन कर दावा राशि उपलब्ध कराई जा सके। फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से पहले अपना नामांकन अवश्य करा लें, ताकि किसी भी अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उन्हें आर्थिक क्षति से सुरक्षा मिल सके।

खेत में रोपा लगाते मिले चार नाबालिग, संयुक्त टीम ने किया रेस्क्यू

शिकायत पर हुई त्वरित कार्रवाई, बाल कल्याण समिति के समक्ष होंगे पेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर क्षेत्र के गांव से बाल श्रम की गंभीर शिकायत सामने आई है। टोल फ्री नंबर 1098 चाइल्डलाइन पर सूचना मिली थी कि दूसरे गांव से स्कूल छुड़वाकर बच्चों को वाहन से लाकर खेतों में रोपा लगवाया जा रहा है। सूचना मिलते ही जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल के निर्देश पर तत्काल एक संयुक्त टीम मौके पर रवाना की गई।

संयुक्त कार्रवाई में जिला बाल संरक्षण इकाई से मनोज जायसवाल एवं अंजनी साहू, चाइल्डलाइन से पूजा गोस्वामी, जनार्दन यादव एवं रीता सिंह, श्रम विभाग से फणीश्वर शर्मा तथा पुलिस विभाग से एएसआई हीरामन एवं आरक्षक शामिल थे। टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो पाया कि चार बच्चे जिनमें

दो लड़के और दो लड़कियां, जो कक्षा पांचवीं, छठवीं एवं सातवीं में अध्ययनरत हैं, बड़ों के साथ खेत में रोपा लगाने का काम कर रहे थे। इन बच्चों को प्रतिदिन 450 रुपये की मजदूरी दी जा रही थी।

टीम ने पंचनामा तैयार कर तत्काल इन बच्चों को रेस्क्यू किया। रेस्क्यू किए गए बच्चों को बाल कल्याण समिति, सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। श्रम विभाग द्वारा नियोक्ता के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। मौके पर मौजूद सभी संबंधित लोगों को यह स्पष्ट रूप से समझाइश दी गई कि बच्चों को स्कूल से वंचित कर उनसे मजदूरी न करवाई जाए। उल्लेखनीय है कि बाल श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम 1986 के तहत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम करवाना दंडनीय अपराध है। इसके साथ ही बच्चों को स्कूल से वंचित करना शिक्षा के अधिकार अधिनियम का भी उल्लंघन है। खेत में किया जाने वाला यह कार्य खतरनाक श्रेणी में सम्मिलित है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि उनके आसपास भी इस प्रकार की घटना संज्ञान में आए तो निःशुल्क सेवा टोल फ्री नंबर 1098 चाइल्डलाइन पर तत्काल सूचना दें।

बारिश को देखते हुए सतत मॉनिटरिंग के निर्देश

कृष्णपुर व बतरा बांध का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में लगातार हो रही झाझम बारिश को देखते हुए बुधवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कृष्णपुर एवं बतरा जलाशय का निरीक्षण कर निर्माण एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आगामी सत्र में बतरा जलाशय की डिसिल्टिंग हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे जलाशय की जल भराव क्षमता बनी रहे। इसके साथ ही उन्होंने बांध के हेड स्लूज़ के पैरापेट में गेट एवं रैलिंग लगवाने के निर्देश भी दिए, ताकि दुर्घटनाओं की आशंका को रोका जा सके। मौके पर उपस्थित जल संसाधन विभाग के अभियंता को कलेक्टर ने जल स्तर की सतत् मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिले में लगातार हो रही बारिश को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को अपने क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निरंतर हो रही बारिश के मद्देनजर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचाव के लिए सभी संबंधित अधिकारी पूरी एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। साथ ही उन्होंने जनपद सीईओ को भी सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने के

तरह सजग एवं मुस्तैद रहें तथा स्थिति पर निरंतर निगरानी रखें। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता जल संसाधन श्रीमती तरन्नूम खानम, एसडीओ लोकेश पटेल व अनमोल सांडिल्य उपस्थित थे। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि पटवारी, सचिव एवं संबंधित क्षेत्रीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र की वस्तुस्थिति से समय-समय पर एसडीएम व तहसीलदारों को अवगत कराते रहें, जिससे किसी भी परिस्थिति में त्वरित निर्देश दिए। संभावित प्राकृतिक आपदाओं से बचाव एवं राहत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संयुक्त जिला कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इस कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07775-266116 निर्धारित किया गया है, जिस पर आमजन किसी भी प्राकृतिक आपदा अथवा आपात स्थिति की सूचना तत्काल दे सकते हैं, ताकि त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित किया जा सके।

मजदूरी के लिए मथुरा गया युवक 22 दिन से लापता, महिला ने पति की तलाश हेतु कलेक्टर से लगाई गुहार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। महुली का 26 वर्षीय भैयालाल अगरिया पिछले 22 दिनों से लापता हैं। परिवार का आरोप है कि बलरामपुर जिले के ग्राम बलंगी का एक युवक उन्हें उत्तर प्रदेश के मथुरा में अधिक मजदूरी दिलाने का झांसा देकर अपने साथ ले गया था। वहां पहुंचने के दो दिन बाद अचानक उनके लापता होने की सूचना मिली। तब से परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य लापता है और उसकी पत्नी गोद में मासूम बच्चे को लेकर न्याय की आस में सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रही है।

मंगलवार को पीड़िता श्रीदेवी अगरिया ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन सौंपकर पति की सकुशल बरामदगी, मामले की जांच तथा जिम्मेदारो पर कार्रवाई की मांग की।आवेदन में बताया गया है कि 1 जुलाई को बलंगी के युवक भैयालाल को अधिक मजदूरी का लालच देकर मथुरा ले गया। 3 जुलाई को उसने मोबाइल नंबर 8224901308 से परिवार को फोन कर बताया कि वह सुरक्षित मथुरा पहुंच गए हैं। इसके कुछ समय बाद उसी दिन बलंगी निवासी अनिल कुमार देवांगन ने परिजनों को फोन कर सूचना दी कि भैयालाल अचानक लापता हो गए हैं और उनका कोई पता नहीं चल रहा है। इसके

बाद से परिवार लगातार संपर्क और तलाश में जुटा रहा, लेकिन 22 दिन बीत जाने के बाद भी भैयालाल का कोई सुराग नहीं मिल पाया। लापता ग्रामीण परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य हैं। उनके लापता होने से पत्नी और छोटे बच्चे के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पीड़िता का कहना है कि पति की तलाश में वह लगातार अधिकारियों से गुहार लगा रही है, लेकिन अब तक उन्हें पति के संबंध में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है।

पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

चांदनी थाना प्रभारी राम प्रताप साहू ने बताया कि भैयालाल की गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। युवक की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु सोनवार में चला जागरूकता अभियान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश एवं उप संचालक कृषि सुश्री संपदा पैकरा के मार्गदर्शन में मंगलवार को ग्राम पंचायत सोनवार स्थित सीएससी सेंटर में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत खरीफ सीजन 2026 के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान किसानों का फसल बीमा कार्य भी प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के उद्देश्य, लाभ, पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं बीमा कराने की प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने किसानों को बताया कि प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल परिस्थितियों से फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई में यह योजना महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान करती है। अधिकारियों ने किसानों से निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व अपनी खरीफ फसलों का बीमा कराने की अपील करते हुए कहा कि समय पर बीमा कराने से वे योजना के लाभ से वंचित नहीं होंगे तथा किसी भी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्रम में किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया तथा अधिक से अधिक किसानों को योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में कृषि विभाग के एडीओ शैलेन्द्र पटेल, कृषि विस्तार अधिकारी अभिषेक सिंह, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जिला समन्वयक अतुल कुमार यादव, जनपद सदस्य राजेश पोर्ते सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कलेक्टर की संवेदनशीलता से आमजन की समस्याओं का हो रहा त्वरित निराकरण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की संवेदनशीलता से दिवंगत शासकीय कर्मचारी की पत्नी की वर्षों से लंबित समस्या का त्वरित समाधान हुआ। कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा उन्हें सेवा पुस्तिका की सत्यापित डुप्लीकेट प्रति उपलब्ध करा दी गई, जिससे उनकी आगे की शासकीय प्रक्रियाएं सुगमता से पूरी हो सकेंगी।

श्रीमती प्रतिभा के पति स्वर्गीय श्री सुशील कुमार बखला जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सहायक ग्रेड-03 के पद पर पदस्थ थे। लगभग दो वर्ष पूर्व उनके निधन के बाद उनकी पत्नी श्रीमती प्रतिभा बखला को विभिन्न शासकीय प्रक्रियाओं के लिए सेवा पुस्तिका की सत्यापित डुप्लीकेट प्रति की आवश्यकता थी। उन्होंने बताया कि कई बार कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने के पश्चात भी आवश्यक दस्तावेज प्राप्त नहीं मिल पाया।

समस्या के समाधान की उम्मीद लेकर श्रीमती प्रतिभा बखला ने 20 जुलाई 2026 को कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी से मुलाकात कर अपनी समस्या से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक निर्देश देते हुए सेवा पुस्तिका की सत्यापित डुप्लीकेट प्रति शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश के पालन में जिला शिक्षा अधिकारी ने उसी दिन त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रीमती प्रतिभा बखला को सेवा पुस्तिका की सत्यापित डुप्लीकेट प्रति उपलब्ध करा दी। दस्तावेज प्राप्त होने पर उन्होंने कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर सहायता मिलने से अब उनकी आवश्यक शासकीय प्रक्रियाएं आसानी से पूरी हो सकेंगी।

गौरतलब है कि जिले में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के नेतृत्व में जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जा रहा है, जिससे आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो रहा है।

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर
(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक / दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	195548 प्रथम आमंत्रण 15.07.2026	शासकीय लरंगसाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामानुजगंज जिला बलरामपुर – रामानुजगंज में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	286.94
2	195588 प्रथम आमंत्रण 15.07.2026	जिला सरगुजा में संभाग स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम निर्माण कार्य, जमा मद।	1459.15
3	195558 प्रथम आमंत्रण 15.07.2026	जिला रायगढ के लोईंग महापल्ली मार्ग पर लोईंग नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	406.24
4	195572 प्रथम आमंत्रण 15.07.2026	जिला दुर्ग के स्वामी विवेकानन्द तकनीकी विश्वविद्यालय नेवई भिलाई में कुलपति निवास ('बी' टाईप 1 नग) कुलसचिव, कुलाधिसचिव , प्राध्यापक, सह– प्राध्यापक निवास ('डी ' टाईप 13 नग) 250 सीटर बालक छात्रावास, सहायक प्राध्यापक निवास ('ई' टाईप 10 नग आवास) एवं वर्कशॉप भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग,सेप्टिंक टैंक, सम्प वैल, रेन वाटर हार्वेस्टिंग , बोरवैल, बाऊण्ड्रीवाल का विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य (जमा मद अंतर्गत)।	2257.30
5	195610 प्रथम आमंत्रण 15.07.2026	जिला दुर्ग में छत्तीसगढ इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सी.जी.आई.टी.) दुर्ग भवन का वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, सेप्टिक टेंक, सम्पवैल, बोरवेल ,रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य।	274.97
6	195613 प्रथम आमंत्रण 16.07.2026	केन्द्र प्रवर्तित योजना स्ट्रेथनिंग एण्ड अपग्रेडेशन ऑफ स्टेट गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज फॉर इंक्रिज इन यूजी/एम.बी.बी.एस. सीट्स हेतु शासकीय महाविद्यालय अंबिकापुर का निर्माण कार्य, जमा मद।	3967.42
7	195615 प्रथम आमंत्रण 16.07.2026	घरघोडा कंचनपुर बहिरकेला मार्ग के कि.मी. 1/2 से 1/6 लंबाई 600 मीटर का चौडीकरण एवं मजबूतीकरण का निर्माण कार्य, जमा मद।	268.58
8	195576 प्रथम आमंत्रण 16.07.2026	जिला सूरजपुर में जिला स्तरीय बहुउद्देशीय स्टेडियम निर्माण कार्य ,जमा मद।	781.37

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सं.क्र. 01 से सं.क्र. 08 दिनांक 07.08.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते हैं।

मुख्य अभियन्ता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

जी-262702256/2

वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : रेना जमील

0 लोधिमा में मना वन महोत्सव एवं ''एक पेड़ माँ के नाम 3.0'' कार्यक्रम
0 रोपित किये गए फलदार एवं छायादार पौधे

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। वन महोत्सव एवं 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' अभियान के अंतर्गत बुधवार को लोधिमा खोपा रोड में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक भूलन सिंह मरावी, जिपं अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी सिंह पैकरा, जिपं सदस्य श्रीमती योगेश्वरी राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति संत सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी, शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, डीएफओ डी.पी. साहू सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। डीएफओ डी.पी. साहू ने कहा कि जिले का लगभग 53 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जो पर्यावरण संतुलन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक से अपनी माता के नाम पर पौधा रोपित कर उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कलेक्टर श्रीमती

रेना जमील ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज जिन विशाल वृक्षों की छाया और फलों का लाभ हमें मिल रहा है, वे हमारे पूर्वजों द्वारा लगाए गए पौधों का परिणाम हैं। हम गर्व से अपने बच्चों को बता सकते हैं कि इन वृक्षों को हमारे पूर्वजों ने लगाया था। उन्होंने सभी नागरिकों से निकट भविष्य को सुरक्षित, स्वच्छ एवं हरित बनाने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने तथा प्रत्येक पौधे के संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लेने की अपील की। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि पौधा लगाने के साथ उसकी सुरक्षा और देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सेल्फी ज़ोन रहा आकर्षण का केंद्र

वन विभाग द्वारा कार्यक्रम स्थल पर आकर्षक सेल्फी ज़ोन तैयार किया गया, जो उपस्थित लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। इस सेल्फी ज़ोन पर विधायक भूलन सिंह कलेक्टर श्रीमती रेना जमील, वनमण्डलाधिकारी डी.पी. साहू सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं अन्य अतिथियों ने स्मृति स्वरूप सेल्फी लेकर पर्यावरण संरक्षण और ''एक पेड़ माँ के नाम 3.0'' अभियान का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। यह सेल्फी ज़ोन कार्यक्रम में जनभागीदारी और हरित अभियान के प्रति उत्साह का प्रतीक बना।

शपथ पत्र

मैं रूखसाना बीवी पति अनिस अंसारी निवासी नवागढ़ अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ. ग. की निम्न कथन करती हूँ। यह कि मेरे नाम पर आधार क्र. 3842 5869 0387 जारी है, जिसमें मेरा नाम शहजाद अकबरी दर्ज हो गया है, जब कि मेरा सही नाम रूखसाना बीवी पति अनिस अंसारी है जो सही है। मैं शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरे उक्त आधार में मेरा सही नाम–रूखसाना बीवी पति अनीस अंसारी दर्ज कराना चाहती हूँ जिस हेतु नाम सुधार कराए जाने शपथ पत्र प्रस्तुत करती हूं।

शपथकर्ता

वेतनमान विवाद, सामु. स्वास्थ्य संघ ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, जांच, दोषियों पर कार्रवाई और संशोधित वेतनमान लागू करने की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छ.ग. प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ के आह्वान पर बुधवार को जिले के सामु. स्वास्थ्य अधिकारियों ने रैली निकालकर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमे संघ ने वेतनमान निर्धारण से जुड़े प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई तथा संशोधित वेतनमान लागू करने की मांग की। संघ का आरोप है कि राज्य स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय द्वारा वेतनमान पुनर्निर्धारण संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी देने और स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों के बावजूद भारत सरकार को पुराना प्रस्ताव भेजा गया। इससे प्रदेश के 37 सौ से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी आज भी उचित वेतनमान से वंचित हैं।

संघ के अनुसार, आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ऑपरेशनल गाइडलाइन में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए 25 हजार मासिक निश्चित मानदेय एवं कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है। वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना में भी वेतनमान संशोधन का प्रस्ताव स्वीकृत किया जा चुका था।

संघ का कहना है कि सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त दस्तावेज, शासी निकाय की बैठक के कार्यवृत्त और भारत सरकार की रिकॉर्ड ऑफ प्रोसीडिंग्स से संकेत मिलता है कि केंद्र सरकार ने राज्य से प्राप्त प्रस्ताव को ही स्वीकृति दी है। ऐसे में संशोधित वेतनमान लागू नहीं होने का कारण राज्य स्तर से स्वीकृत प्रस्ताव नहीं भेजा जाना प्रतीत होता है। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मुख्य सचिव अथवा किसी स्वतंत्र वरिष्ठ अधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने तथा अनुपूरक पीआईपी के माध्यम से संशोधित वेतनमान का प्रस्ताव तत्काल भारत सरकार को भेजने की मांग की गई है। साथ ही संशोधित वेतनमान लागू कर एरियर सहित सभी देय लाभ प्रदान करने और भविष्य में ऐसी स्थिति रोकने के लिए जवाबदेही की प्रभावी व्यवस्था बनाने की भी मांग की गई। संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार ने कहा कि आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि शासन के निर्णयों के सम्मान, प्रशासनिक पारदर्शिता, सुशासन और हजारों सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के वैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री इस मामले में संवेदनशीलता के साथ न्यायोचित निर्णय लेंगे।

झमाझम बारिश से मैनपाट का मौसम हुआ खुशनुमा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग के अधिकांश क्षेत्रों में लंबे इंतजार के बाद उत्तर छत्तीसगढ़ में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मंगलवार देर शाम से हो रही तेज बारिश के बाद कई नदी-नाले उफान पर हैं और रपटा-पुलियों के ऊपर से पानी बहने के कारण कई ग्रामीण मार्ग बंद हो गए हैं। लगातार बारिश से मैनपाट बादलों की चादर में लिपट गया है। ठंडक भरे मौसम और हरियाली के कारण यहां पर्यटकों की आवाजाही बढ़ गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक सरगुजा, सूरजपुर और बलरामपुर में अच्छी बारिश की संभावना है। सरगुजा जिले में अब तक औसत से 58 प्रतिशत कम बारिश हुई थी, लेकिन पिछले 24 घंटे में अंबिकापुर में 102 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। लगातार बारिश से तापमान गिरा है और उमस से राहत मिली है। वहीं सूरजपुर जिले के रामानुजनगर क्षेत्र के मोहनपुर में पुल पानी में डूबने, चांदनी-बिहारपुर के रसौकी मार्ग में बरंगा नदी में बाढ़ आने से आवागमन पूरी तरह बंद होने जैसी खबरें सामने आने लगी हैं।

ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरगुजा के बतौली विकासखंड में मान नदी उफान पर है। बिरिमकेला, महेशपुर, नकना, बटईकेला और सरमना गांवों का संपर्क टूट गया है। प्रशासन ने नदी-नालों को पार नहीं करने की अपील की है।

जल भराव 90 प्रतिशत होने पर घुनघुट्टा बांध का खुलेगा गेट

जल संसाधन संभाग क्रमांक 01 के कार्यपालन अभियंता ने आमजनों को सूचित करते हुए बताया है कि श्याम घुनघुट्टा जलाशय का जलग्रहण क्षेत्र भारी वर्षा के कारण पूर्ण भराव की स्थिति में कभी भी आ सकता है, जिसके कारण जलाशय के गेट किसी भी समय खोले जा सकते हैं। उन्होंने बांध के निचले क्षेत्रों में नदी क्षेत्र में नहीं जाने का आग्रह किया है। बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नदी के जल स्तर में बढ़ोतरी होगी। बाढ़ की स्थिति में नदी से सुरक्षित दूरी बनाये रखने कहा गया है। उन्होंने बताया कि अभी की स्थिति में बांध का जल भराव 81.95 प्रतिशत है, जल भराव 90 प्रतिशत होने पर जलाशय के गेट किसी भी समय खोले जा सकते है।

जिले में अब तक 223.8 मि.मी. औसत वर्षा

भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों ने बताया कि जिले के सभी तहसीलों में 24 घण्टे के दौरान 37.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान सर्वाधिक 74.0 मि.मी. वर्षा तहसील अंबिकापुर में दर्ज की गई है। इसे मिलाकर पूरे जिले में 1 जून से अब तक 223.8 मि.मी. औसत वर्षा हुई है। उन्होंने बताया कि 01 जून 2026 से 22 जुलाई 2026 तक अंबिकापुर में 297.4, दरिमा में 139.1, लुण्ड्रा में 128.3, सीतापुर में 179.6, लखनपुर में 312.5, उदयपुर में 273.5, बतौली में 185.9 एवं मैनपाट में 273.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

निजीकरण एवं ठेका प्रथा के विरोध में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर मंगलवार को जिला मुख्यालय अंबिकापुर में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। जिले के सभी विकासखंडों से आए स्वास्थ्य कर्मचारियों ने घड़ी चौक में एकत्र होकर रैली निकाली और मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री एवं स्वास्थ्य सचिव के नाम कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का मुख्य कारण स्वास्थ्य विभाग में प्रस्तावित निजीकरण, आउटसोर्सिंग और ठेका प्रथा का विरोध तथा वर्ष 2023 के अनिश्चितकालीन कामबंद आंदोलन के बाद शासन द्वारा किए गए वादों को पूरा करवाना है।

स्वास्थ्य कर्मचारियों की मांग

ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने पुनरीक्षित वेतनमान तत्काल लागू करने, रेडिएशन भत्ता, जोखिम भत्ता देने, समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य विभाग में निजीकरण, आउटसोर्सिंग और ठेका प्रथा पर पूर्ण रोक लगाने, एक पाली में ओपीडी संचालन, पदनाम परिवर्तन, समय पर पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान देने, संविदा कर्मचारियों के लिए नियमित भर्ती में 50 प्रतिशत पद आरक्षित करने, आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली में व्यवहारिक सुधार, स्वास्थ्य संस्थाओं में कर्मचारियों के लिए आवास की व्यवस्था और स्वास्थ्य आयोग का गठन करने की मांग की है।

सीएचओ संघ ने भी दिया समर्थन

आंदोलन में छत्तीसगढ़ प्रदेश सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार की आयुष्मान भारत-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर ऑपरेशनल गाइडलाइन के अनुसार सीएचओ के लिए 25,000 प्रतिमाह निश्चित मानदेय एवं कार्य आधारित प्रोत्साहन का प्रावधान है। राज्य स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना में वेतनमान पुनर्निर्धारण का प्रस्ताव भी अनुमोदित हो चुका है, लेकिन आज तक आदेश जारी नहीं हुआ है। संघ ने मांग की कि अनुमोदित प्रस्ताव के अनुरूप तत्काल आदेश जारी कर लाभ दिया जाए।

वर्षों पुरानी मांगों की लगातार उपेक्षा

संघ के प्रांतीय अध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय ने कहा कि स्वास्थ्य कर्मचारी जनस्वास्थ्य सेवाओं को समर्पित भाव से चला रहे हैं, लेकिन उनकी वर्षों पुरानी मांगों की लगातार उपेक्षा हो रही है। यदि शासन द्वारा शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो स्वास्थ्य कर्मचारी संघ प्रदेशव्यापी एवं उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान प्रांत, जिला एवं विकासखंड स्तर के पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, स्टाफ नर्स, एएनएम, आरएचओ, लैब टेक्नोलॉजिस्ट, फार्मासिस्ट सहित बड़ी संख्या में नियमित एवं संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन तलाक बोलकर बच्चों के साथ घर से निकाला, दहेज प्रताड़ना का आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन राजपुर। दहेज की मांग और तीन बार तलाक बोलकर घर से निकाल देने का मामला सामने आया है। पीड़िता अपसरी 27 वर्ष निवासी ग्राम मलगा, थाना भटगांव जिला सूरजपुर ने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी। जांच के बाद मामला राजपुर थाना पुलिस को अग्रिम कार्रवाई के लिए सुपुर्द किया गया है।

पीड़िता अपसरी पति इस्तेयाक अंसारी 27 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि, बताया कि उसका निकाह 16 मार्च 2017 को ग्राम आरा निवासी इस्तेयाक अंसारी पिता नेशार अहमद के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। दोनों के वैवाहिक जीवन के बीच 7 वर्ष और 5 वर्ष के दो बच्चे हैं। शादी के बाद वह ससुराल में अपने पति, सास, ससुर और जेठ के साथ रहने लगी। आरोप है कि शादी के एक साल बाद से ही ससुराल वाले दहेज में कम सामान लाने का ताना देने लगे। पति और ससुराल पक्ष द्वारा लगातार मायके से पैसा मंगवाने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। मना करने पर गाली-गलौज और मारपीट करते थे। कई बार मायके और रिश्तेदारों ने समझाइश दी, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। आरोप है कि, जब वह तीसरी बार गर्भवती हुई तो ससुराल वालों ने उस पर गर्भ गिराने का दबाव बनाया। इंकार करने पर 07.02.2026 को उसके साथ मारपीट की गई। उसी दिन पति इस्तेयाक ने घर के सभी सदस्यों के सामने एक साथ 'तलाक, तलाक, तलाक' कहकर अपसरी को दोनों बच्चों सहित घर से बाहर निकाल दिया, और घर में ताला लगा दिया। सास, ससुर और जेठ ने भी इसका समर्थन करते हुए उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। घटना के बाद वह अपने दोनों बच्चों के साथ ग्राम आरा में रहने वाले मामा समीमउद्दीन अंसारी के घर गई। मामा ने ससुराल जाकर बात करने की कोशिश की, लेकिन इन्होंने तलाक हो चुका है, अब नहीं रखेंगे, कहते हुए कुछ भी बात करने से इन्कार कर दिया। सूचना मिलने पर पीड़िता को माता-पिता और भाई अपने साथ ग्राम मलगा ले गए। इस घटना के बाद से आज तक ससुराल पक्ष ने न उसका और न बच्चों का हालचाल पूछा।पीड़िता की शिकायत और परिवार परामर्श केंद्र सूरजपुर की काउंसलिंग रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम 2019 की धारा 4 और बीएनएस की धारा 85 के तहत थाना राजपुर में पति इस्तेयाक अंसारी, ससुर नेशार अहमद, सास जैतुन निशा और जेठ असफाक अहमद के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है।

एसईसीएल कार्यालय के सामने धरना देने वालों के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। मुआवजा और नौकरी की मांग को लेकर 21 जुलाई की सुबह एसईसीएल भटगांव क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने धरना-प्रदर्शन और सड़क जाम करने के मामले में पुलिस ने 7 लोगों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। प्रदर्शन के दौरान कोयला परिवहन बाधित होने से कंपनी ने लगभग 20 लाख 67 हजार रुपये की आर्थिक क्षति होने की जानकारी पुलिस को है। एसईसीएल के स्टॉफ ऑफिसर राजकुमार शर्मा ने मामले को पुलिस के संज्ञान में लाया है। शिकायत के अनुसार 21.07.2026 को सुबह करीब 9 बजे महामाया ओपन कास्ट परियोजना के प्रभावित भू-स्वामी उदित नारायण ठाकुर निवासी जरही, विनोद राजवाड़े, उमेश तिवारी और अन्य 5-7 आंदोलनकारियों ने कार्यालय के मुख्य द्वार के सामने धरना शुरू कर दिया। आरोप है कि आंदोलनकारियों ने कार्यालय का मुख्य गेट और महाप्रबंधक कार्यालय जाने वाले मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इससे कोयला परिवहन पूरी तरह ठप हो गया। इस अवरोध के कारण लगभग 1000 टन कोयले का परिवहन प्रभावित हुआ, जिससे कंपनी को 20 लाख 67 हजार 820 रुपये का नुकसान हुआ। साथ ही कार्यालयीन कार्य और कर्मचारियों के आवागमन में भी बाधा उत्पन्न हुई। एसईसीएल प्रबंधन ने शिकायत में कहा है कि आंदोलनकारियों की मांगों को लेकर पहले भी वार्ता हो चुकी थी। इसके बावजूद जबरन कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर काम-काज बाधित किया गया। आवेदन पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 191(2), 126(2) के तहत उदित नारायण ठाकुर, विनोद राजवाड़े, उमेश तिवारी सहित अन्य 5-7 अज्ञात आंदोलनकारियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

हत्या के मामले में निरूद्ध बंदी की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के रामानुजगंज उपजेल में हत्या के मामले में निरूद्ध बंदी की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद जेल प्रबंधन के सुपुर्द कर दिया है।

जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के शंकरगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम पेंडारडीह का बिफना पहाड़ी कोरवा पिता जरहा 39 वर्ष, हत्या के मामले में रामानुजगंज उपजेल में निरूद्ध था। तबियत खराब होने पर उसे उपजेल से 20 जुलाई को केंद्रीय जेल अंबिकापुर लाया गया, और गेट से ही दाखिला दर्ज कराने के बाद मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल ले गए, यहां इलाज के दौरान मंगलवार की रात करीब 12.30 बजे उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

रायसोनी ग्रुप द्वारा संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शतरंज संघ सरगुजा द्वारा स्वर्गीय जी.एच. रायसोनी मेमोरियल जूनियर रैपिड शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन गांधी स्टेडियम स्थित शतरंज भवन, अंबिकापुर में किया गया। प्रतियोगिता में संभाग के विभिन्न जिलों से कुल 110 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. प्रज्ञा शर्मा ने किया तथा सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रतियोगिता अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्गों में बालक एवं बालिका वर्ग के लिए आयोजित की गई। प्रत्येक वर्ग के विजेताओं को 1200 रुपये नकद राशि एवं ट्रॉफी तथा उपविजेताओं को 900 रुपये नकद राशि एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को भी ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रत्येक वर्ग के शीर्ष चार खिलाड़ियों को रायपुर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। समापन समारोह में महापौर मंजूषा भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में प्रदेश शतरंज संघ के संयुक्त सचिव सरोज कुमार वैष्णव, कोरिया शतरंज संघ के मोहम्मद शमीम, सुसीमा फाउंडेशन के सुजीत जायसवाल, एमसीबी शतरंज संघ के बी. मणियन, सरगुजा शतरंज संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राणा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रदेश शतरंज संघ के संयुक्त सचिव सरोज कुमार वैष्णव ने कहा कि अंबिकापुर में लगातार प्रतियोगिताओं के आयोजन से सरगुजा संभाग के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेगा और वे भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने रायसोनी ग्रुप एवं कल्पना प्रकाश वेलफेयर फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया। टूर्नामेंट डायरेक्टर के रूप में अंतरराष्ट्रीय आर्बिटर अनिश अंसारी तथा मुख्य निर्णायक के रूप में वरिष्ठ राष्ट्रीय आर्बिटर प्रदीप कुमार मंडल ने प्रतियोगिता का सफल संचालन किया। तकनीकी सहयोग हेतु अनेक आर्बिटर्स एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे। अंत में अतिथियों एवं उन अभिभावकों का सम्मान किया गया, जो अपने बच्चों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में नियमित रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

दिवंगत प्रधान आरक्षक की पत्नी को मिला 10 लाख का चेक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस सैलरी पैकेज के तहत सरगुजा पुलिस के दिवंगत कर्मचारी की पत्नी को 10 लाख रुपये की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। सरगुजा इकाई में पदस्थ प्रधान आरक्षक एमटी पुरुषोत्तम पैकरा का 07 जनवरी 2026 को आकस्मिक निधन हो गया था। उनके निधन के बाद पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल एवं भारतीय स्टेट बैंक अंबिकापुर के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रतीक अग्निहोत्री ने दिवंगत की पत्नी जगरमती पैकरा को पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत 10 लाख रुपये का चेक सौंपा। इस अवसर पर एसबीआई मुख्य शाखा प्रबंधक शिरीष गीर, मुख्य शाखा अधिकारी आशीष सिंह, उपनिरीक्षक एम अभय सिंह, स्थापना शाखा एवं अन्य पुलिस स्टाफ उपस्थित रहे। एसएसपी राजेश अग्रवाल ने कहा कि पुलिस सैलरी पैकेज के माध्यम से कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

पॉवर गोली नहीं देने पर सीएचओ से गाली-गलौज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उदयपुर थाना क्षेत्र के उप स्वास्थ्य केन्द्र में सीएचओ के पद पर सेवारत महिला कर्मचारी से पावर गोली की मांग, और दुकान से खरीदने की सलाह देने पर ग्रामीण के द्वारा गाली-गलौज करते हुये मारपीट करने की धमकी दी गई। ग्रामीण के हरकत से सहमी महिला कर्मचारी ने इसकी जानकारी उदयपुर थाना पुलिस को दी है, जिस पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

उप स्वास्थ केंद्र रामनगर में सीएचओ अस्मिता कुजूर पिता अनिल कूजूर 29 वर्ष ने पुलिस को बताया है कि बीते 9 जुलाई को अपरान्ह करीब 3-4 बजे, ग्राम पुटा का मनकेश्वर अस्पताल में आया और पावर वाला गोली की मांग करने लगा। सीएचओ ने कहा कि, इस प्रकार का कोई गोली यहां नहीं मिलता है, आप बाजार से ले लो। इतना सुनते ही मनकेश्वर गुस्से में आ गया और अपशब्दों का प्रयोग करते हुये गंदी-गंदी गाली देते हुए गांव में अस्पताल क्यों खोलकर बैठे हो, बंद करो, यहां से भागो जैसे शब्दों का प्रयोग करते हुए मारने-पीटने की धमकी देने लगा। सीएचओ ने पुलिस को बताया है कि उप स्वास्थ केंद्र रामनगर में दो स्टाफ की पदस्थापना है। घटना के समय उनकी जूनियर लक्ष्मी सिंह फल्ड में गई थी। घटना की जानकारी वह लक्ष्मी और सीएचसी उदयपुर के ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर भानेश गौरव को दी। मामले में पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

20 साल से खाली खड़ी जर्जर पानी टंकी, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। जनपद पंचायत परिसर के पास स्थित पानी टंकी अब लोगों के लिए खतरे का कारण बन गई है। वर्ष 2005-06 में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा इस टंकी का निर्माण कराया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और घटिया गुणवत्ता के कारण टंकी में आज तक एक बार भी पानी का भंडारण नहीं किया जा सका। करीब दो दशक से उपयोगहीन यह पानी टंकी अब पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। टंकी में जगह-जगह दरारें दिखाई दे रही हैं और स्थिति ऐसी है कि वह कभी भी भरभराकर गिर सकती है। चूंकि यह टंकी जनपद पंचायत परिसर के समीप स्थित है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक आते-जाते हैं, इसलिए किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और पीएचई विभाग से टंकी का तकनीकी परीक्षण कराकर असुरक्षित होने की स्थिति में तत्काल हटाने की मांग की है। पीएचई विभाग के एसडीओ डी.के. जैन ने बताया कि उक्त पानी टंकी से वर्तमान में पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। टंकी जर्जर स्थिति में है, इसलिए पहले उसका तकनीकी परीक्षण कराया जाएगा। परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद यह निर्णय लिया जाएगा कि टंकी को उपयोग में लाया जा सकता है या उसे डिस्मेंटल किया जाएगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सर्पदंश से पीड़ित महिला की इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जशपुर के बागबहार थाना अंतर्गत ग्राम घाटासरई निवासी ममता पति श्रवण नागवंशी 22 वर्ष की सर्पदंश से मौत हो गई। मृतिका 20 जुलाई की रात को जमीन में बिस्तर लगाकर सोई थी। अलसुबह 4 बजे वह परिवार के सदस्यों को कुछ काटने की जानकारी दी। स्वजन पहुंचे तो बिस्तर में करैत सांप था। महिला को तत्काल पत्थलगांव अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद चिकित्सक ने बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के दौरान शाम 6.30 बजे महिला की मौत हो गई।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में लागू होगा सीआईए पोर्टल, आंतरिक मूल्यांकन होगा डिजिटल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा ने विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और संघटक महाविद्यालयों में सतत आंतरिक मूल्यांकन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए सीआईए पोर्टल लागू करने की पहल की है। बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में हाइब्रिड मोड में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों के विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रेशमलाल प्रधान ने किया। उन्होंने कहा कि सीआईए पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय तीनों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सुगम और समयबद्ध होगी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने कहा कि यह पोर्टल विश्वविद्यालय की डिजिटल शैक्षणिक व्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए विश्वविद्यालय एवं केआर टेक्निकल कॉलेज के बीच एमओयू संपादित किया गया। इस अवसर पर केआर टेक्निकल कॉलेज के डॉ. रितेश वर्मा ने पोर्टल की कार्यप्रणाली का लाइव प्रदर्शन किया और इसके संचालन व लाभों की जानकारी दी। कुलसचिव ने सभी शिक्षण विभागों एवं महाविद्यालयों से इस डिजिटल पहल को सफल बनाने का आह्वान किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक 27 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह जिले में गरिमा पूर्वक मनाये जाने के सबंध में आवश्यक तैयारी एवं विचार विमर्श हेतु 27 जुलाई को कलेक्टोरेट के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सर्व संबंधितों को निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होने कहा गया है।

अधेड़ महिला बेहोश हुई, चिकित्सक ने मृत घोषित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खेत से रोपा लगाकर आई महिला की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम परसा चेरवापारा की लक्ष्मनिया पति मोहर 55 वर्ष, परिवार के सदस्यों के साथ मंगलवार को खेत में रोपा लगाने गई थी। रोपा लगाने के बाद शाम को करीब 5 बजे घर लौटी और परिवार के सदस्यों को दोनों हाथ में दर्द होना बताई। स्वजन दवा खिलाए, इसके बाद उसे आराम लगा और वह सो गई थी। बुधवार को सुबह करीब 5 बजे बेहोश होने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में सुबह 6.15 बजे जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत्यु का कारण स्पष्ट हो, इसके लिए पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

घर में घुसकर 30 हजार की चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणिपुर थाना अंतर्गत परिवार के साथ रोपा लगाने के लिए गए ग्रामीण के घर से नकद रकम और मंगलसूत्र चोरी करने का मामला सामने आया है। ग्राम केशवपुर बरपारा निवासी दुलेश्वर पिता स्व. रामवृक्ष ने बताया है कि 19 जुलाई को सुबह 10 बजे परिवार के लोग खेत में रोपा लगाने गये थे। शाम 4 बजे वापस आए तो देखा कि घर का दरवाजा-कुंडी टूटा हुआ है। अंदर जाने पर अलमारी खुला मिली और अंदर रखा 20 हजार रुपये नकद और लगभग 10 हजार रुपये का सोने का मंगलसूत्र चोरी करके ले गए। मणिपुर थाना पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

रथयात्रा के दौरान महिला के गले से सोने का जिवतिया पार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर थाना क्षेत्र में 17 जुलाई को रथ यात्रा के दौरान महिला के गले से सोने का चेन पार करने का मामला प्रकाश में आया है। ग्राम प्रतापगढ निवासी शांति गुप्ता 17 जुलाई को ग्राम चलता बरपारा में रथ यात्रा देखने के लिए शाम को करीबन 06 बजे अपने परिवार के साथ गई थी। इसी दौरान अज्ञात के द्वारा गले से सोने का जीवतिया पार कर दिया। रथ स्थान में भीड़ रहने के कारण इसका पता नहीं चला। आधे घंटे बाद जब गले में 4 जीवतिया के साथ पहने हुए माला के नहीं होने का आभास हुआ तो इसकी जानकारी साथ में गए परिवार के सदस्यों को दी। आसपास तलाश के बाद भी स्नेचर का पता नहीं चला। चोरी गए जीवतिया की कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर